राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार , 23 मार्च 2026
वर्ष 14, अंक 314, पृष्ठ 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

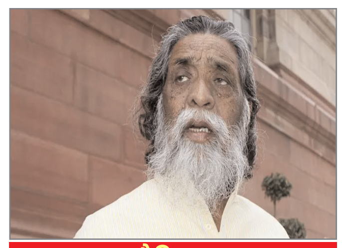

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

युवाओं में प्रेरणा के पुरोधा है श्री प्रेमानंद जी महाराज...03

दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र हमले का शिकार...12

ईरान ने दुनिया के सबसे पावरफुल फाइटर जेट F-35 का शिकार?

ब्यूरो प्रयागराज। ईरान ने दावा किया है कि उसने दुनिया के सबसे ताकतवर माने जाने वाले लड़ाकू विमान स्न-35 पर हमला किया है. दुनिया का सबसे महंगा और रडार की नजरों में अदृश्य रहने वाला फाइटर जेट ईरानी मिसाइल का शिकार बन गया. जिस स्न-35 को दुनिया का सबसे सुरक्षित लड़ाकू विमान माना जाता था, आज उस पर ईरान के हमले और उसे गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त करने की खबरों ने डिफेंस सेक्टर में खलबली मचा दी है।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (IRGC) के अनुसार, फाइटर जेट को स्थानीय समय के अनुसार सुबह 2:50 बजे मध्य ईरानी एयर स्पेस में एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा मार गिराया गया. IRGC ने कहा कि यह हमला 125 से ज्यादा अमेरिकी और इजरायली ड्रोनों को रोकने के बाद हुआ।

कुछ रिपोर्टों और ईरानी मीडिया के अनुसार, इस हमले में ईरान के स्वदेशी 'बावर-373' एयर डिफेंस सिस्टम का उपयोग किए जाने की बात कही जा रही है. माना यह भी जा रहा है कि इसमें पैसिव सेंसर तकनीक का हाथ हो सकता है, जो रडार सिग्नल छोड़े बिना विमान का पता लगा सकती है. ईरान ने हमले का एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें विमान को हिट होते दिखाने का दावा किया गया है. हालांकि, अमेरिका ने अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है कि आपातकालीन लैंडिंग ईरानी गोलाबारी के कारण हुई थी या तकनीकी खराबी के कारण।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी पुष्टि की है कि ईरान के ऊपर एक लड़ाकू मिशन के दौरान एक F-35 को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी. अमेरिका के अनुसार, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और पायलट की हालत स्थिर है. सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने कहा कि पायलट ने सुरक्षित लैंडिंग की और उसकी हालत स्थिर है. घटना की जांच चल रही है।

यह फाइटर जेट अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की हवाई शक्ति का रीढ़ माना जाता है. यह यह अब तक बने सबसे एडवांस कॉम्बैट विमानों में से एक है. इसके एक विमान की कीमत 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा है. स्न-35 दुनिया का सबसे व्यापक रूप से तैनात पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट है. इसकी स्टेल्थ यानी छिपकर उड़ने की क्षमता, एडवांस सेंसर और नेटवर्क आधारित युद्ध क्षमताएं सबसे अलग और खास बनाती हैं. इस खासतौर पर रडार की पकड़ से बचने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह भारी सुरक्षा वाले हवाई क्षेत्रों के अंदर तक जाकर भी काम कर सकता है। F-35 फाइटर जेट का सेंसर फ्यूजन भी बेहद खास है. F-35 सिर्फ डेटा इकट्ठा नहीं करता, बल्कि यह रडार, इन्फ्रारेड सेंसर, सैटेलाइट और अन्य विमानों से मिलने वाले इनपुट को प्रोसेस करता है और उन्हें मिलाकर जंग की रियल-टाइम तस्वीर तैयार करता है. इससे पायलट खतरों का पहले ही पता लगा लेते हैं और खुद दुश्मन की नजर में आने से पहले ही अपने टारगेट पर अटैक कर देते हैं. यही वजह है कि अगर इसे थोड़ा सा भी नुकसान पहुंचता है, तो वह भी बहुत मायने रखता है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब से युद्ध शुरू हुआ है, तब से अमेरिका के कम से कम 16 विमान नष्ट हो चुके हैं. इनमें कई MQ-9 रीपर ड्रोन भी शामिल हैं, जिन्हें ईरान के डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया है. इन ड्रोन्स को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि अगर ये नष्ट भी हो जाएं, तो ज्यादा नुकसान न हो. इसलिए इन्हें अक्सर बहुत ज्यादा जोखिम वाले मिशनों में इस्तेमाल किया जाता है।

170 दिनों के बाद पहाड़ों पर आकर अच्छा लग रहा, जेल से बाहर आए वांगचुक बोले- एक नया सूरज उगेगा

●लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 170 दिनों बाद जेल से रिहा हुए. उन्होंने अपनी रिहाई पर खुशी जाहिर की और लद्दाख के उद्देश्य के लिए एक नई सुबह की उम्मीद जताई. वांगचुक ने संघर्ष में साथ देने वाले पूरे देश का धन्यवाद किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जेल से छूटने के बाद कहा कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा है. 170 दिनों के बाद इन पहाड़ों पर आकर और लोगों से मिलकर, मुझे उम्मीद है कि जिस उद्देश्य के लिए हम काम कर रहे हैं. उसके लिए एक नई सुबह होगी. हम उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे हैं. हमें आशा है कि सभी तरफ से ऐसा ही माहौल बनेगा. उन्होंने कहा कि मैं इस संघर्ष में हमारा साथ देने वाले पूरे देश के लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूं. वांगचुक बोले कि लोगों से मिलने के लिए वो बहुत उत्सुक हैं।

सोनम वांगचुक ने लद्दाख की राजनीतिक मांगों पर लचीला रुख अपनाया. उन्होंने केंद्र के साथ लेन-देन वाले रवैये के प्रति अपनी सहमति जताई. उन्होंने कहा कि ऐसे नतीजे की जरूरत है जिससे दोनों पक्षों का फायदा हो, जबकि दूसरी ओर क्षेत्र के प्रमुख संगठनों ने यह साफ कर दिया है कि उनकी मुख्य मांगों पर कोई समझौता नहीं होगा।

बातचीत दो मुद्दों पर होगी

वांगचुक को हाल ही में जेल से रिहा किया गया है. वह सितंबर से ही जेल में बंद थे. उन्हें लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था. अधिकारियों ने उन विरोध प्रदर्शनों को हिंसक बताया था. सरकार ने इस सख्त कानून के तहत जारी हिरासत के आदेश को वापस ले लिया. इससे उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया।

उन्होंने सोमवार को कहा कि बातचीत इन्हीं मुद्दों पर होगी. इनमें मुख्य दो मुद्दे हैं. छठी अनुसूची में शामिल होना और लोकतंत्र की बहाली. जैसा कि मैंने कहा, ये 'लेन-देन' का मामला है. इसलिए अगर दोनों पर नहीं, तो हम उम्मीद करते हैं कि कम से कम एक पर तो बात बनेगी ही. हम इस मामले में लचीले हैं. दूसरी तरफ दूसरा पक्ष भी लचीला हो सकता है. उन्होंने कहा कि जाहिर है कि किसी एक पक्ष के लिए ये'हार-हार' वाली स्थिति नहीं होनी चाहिए. ऐसी बातचीत सफल नहीं मानी जाएगी. ये एक 'जीत-जीत' वाली स्थिति हो सकती है. उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की जरूरतों का ध्यान रखें।

संक्षिप्त ख़बरें

RCom फ्रॉड केस में अनिल अंबानी से CBI की पूछताछः SBI से 2,929 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

ब्यूरो प्रयागराज। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े 2,929 करोड़ के लोन फ्रॉड मामले में CBI ने आज 19 मार्च को उद्योगपति अनिल अंबानी से पूछताछ की। अनिल अंबानी सुबह दिल्ली स्थित सीबीआई हेडक्वार्टर पहुंचे, जहां एजेंसी के अधिकारियों ने उनसे सवाल-जवाब किए। SBI को 2,929 करोड़ का

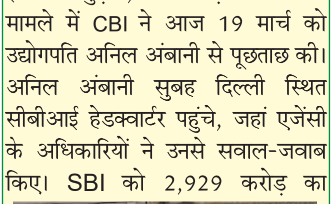

नुकसान CBI ने पिछले साल अगस्त में अनिल अंबानी और आरकॉम के खिलाफ केस दर्ज किया था। एसबीआई की शिकायत के मुताबिककंपनी पर विभिन्न बैंकों का कुल 40,000 करोड़ से ज्यादा का बकाया था। इसमें से अकेले SBI को ?2,929.05 करोड़ का नुकसान हुआ। CBI ने इस मामले में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

मैनेजमेंट में शामिल होने से इनकार अनिल अंबानी के पक्ष का कहना है कि एसबीआई की यह शिकायत 10 साल से ज्यादा पुराने मामलों से जुड़ी है। जिस समय की यह बात है, उस समय अनिल अंबानी कंपनी के केवल नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे और वे कंपनी के रोजमर्रा के मैनेजमेंट या कामकाज में शामिल नहीं थे। अनिल अंबानी के प्रवक्ता बोले- जांच में पूरा सहयोग करेंगे पूछताछ को लेकर अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि अनिल अंबानी 19 और 20 मार्च को दिल्ली में सीबीआई के सामने पेश हो रहे हैं। यह पेशी एसबीआई की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के सिलसिले में है। प्रवक्ता ने कहा, अंबानी सभी जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वे अपना पक्ष मजबूती से रखेंगे।

माण्डा अपहरण कांड का खुलासाः 4 आरोपी गिरफ्तार, दो कार व मोबाइल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। थाना माण्डा क्षेत्र के सराय कला में 6 वर्षीय बच्चे के अपहरण मामले का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसओजी, सर्विलांस सेल और माण्डा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो चार पहिया वाहन और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 7 मार्च 2026 को बच्चे का अपहरण किया गया था, जिसे मात्र 28 घंटे के भीतर वाराणसी से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया था। जांच के दौरान उज्ज्वल शर्मा उर्फ विवेक शर्मा, राजकुमार पाण्डेय, आशुतोष प्रधान उर्फ हिमांशू और नितीश कुमार का नाम सामने आया, जिन्हें 20 मार्च को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी उज्ज्वल ने अपने रिश्तेदार के बच्चे के अपहरण की साजिश रची थी और फिरौती के लिए 20-30 लाख रुपये मांगने की योजना बनाई थी। पुलिस दबाव बढ़ने पर आरोपियों ने बच्चे को वाराणसी में छोड़ दिया था। बरामदगी में अमेज कार (UP70EM5222), एक ऑल्टो कार और चार मोबाइल फोन शामिल हैं। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

सहारा शहर में ही बनेगी यूपी की नई विधानसभा, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से रास्ता साफ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। लखनऊ के गोमतीनगर स्थित 'सहारा शहर' की जमीन को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी जीत मिली है. सुप्रीम कोर्ट ने 16 मार्च 2026 को सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें नगर निगम की ओर से लीज रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसके बाद अब UP की नई विधानसभा के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है. अब UP की नई विधानसभा सहारा शहर में ही बनाए जाने की प्रक्रिया भी तेजी से शुरू कर दी गई है. नई विधानसभा के निर्माण के लिए बजट भी पहले ही आवंटित किया जा चुका है।

दरअसल योगी सरकार ने बीते वर्ष ही नगर निगम की ओर से 1994 में दी गई लीज की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए सहारा शहर की लीज रद्द कर दी थी और सहारा शहर पर प्रशासनिक कब्ज़ा कर नगर निगम को सौंप दिया था, जिसके खिलाफ सहारा की ओर से दाखिल की गई याचिका को पहले हाई कोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज कर योगी सरकार के फैसले को सही ठहराया है।

अब इस जगह पर नई विधानसभा बनाए जाने का भी रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि नई विधान भवन के लिए सरकार पिछले कई सालों से करीब 200 एकड़ जमीन की तलाश में थी. सहारा शहर की जमीन इस जरूरत को पूरा करती नजर आई है. यहां लखनऊ नगर निगम की लगभग 170 एकड़ और एलडीए की करीब 75 एकड़ जमीन मिलाकर कुल 245 एकड़ क्षेत्र उपलब्ध है।

लोकेशन और कनेक्टिविटी के लिहाज से भी यह क्षेत्र बेहद उपयुक्त माना जा रहा है. उच्च स्तर पर इस स्थान को विधान भवन निर्माण के लिए उपयुक्त मानते हुए सहमति भी बन चुकी है. अब आगे की प्रक्रिया के तहत कंसल्टेंट की नियुक्ति और परियोजना की विस्तृत योजना पर भी काम तेजी से किया जा रहा है।

मोबाइल पर बात करते समय हादसा, लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कार पलटी; दो बच्चियां घायल

फतेहाबाद (आगरा)। शुक्रवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई। किलोमीटर 36 400 पर आगरा से लखनऊ की ओर जा रही कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। हादसे में दो बच्चियां घायल हो गई, जबकि अन्य लोग सुरक्षित बच गए। कार चालक अविनाश निवासी 181 गांधी नगर, थाना फ्रेंड्स कॉलोनी, इटावा अपने साथ अशोक कुमार, नित्या और अंशिका (पुत्री अशोक कुमार) के साथ आगरा से इटावा जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चालक मोबाइल फोन पर बात कर रहा था, तभी वाहन अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी सुधीश शुक्ला और चौकी इंचार्ज लुहारी देवेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दुर्घटना में नित्या और अंशिका को मामूली चोटें आई, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। बताया गया कि एटलस कंपनी की एंबुलेंस को सूचना दी गई थी, लेकिन समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी।

ट्रेन दुर्घटना में गर्भवती महिला की मौत के बाद, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अजन्मे बच्चे के नुकसान के लिए 8 लाख के मुआवज़े का आदेश दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारतीय रेलवे को आदेश दिया है कि वह 2018 में ट्रेन में चढ़ते समय जान गंवाने वाली एक गर्भवती महिला के गर्भ में पल रहे भ्रूण की मृत्यु के लिए 8 लाख का मुआवज़ा दे [श्री सुखानंदन बनाम भारत संघ]।

2025 में, रेलवे दावा अधिकरण ने एक महिला की मृत्यु के लिए ?8 लाख का मुआवज़ा देने का आदेश दिया था। यह महिला बाराबंकी से बांदीकुई रेलवे स्टेशन तक मरुधर एक्सप्रेस से यात्रा करने वाली थी।बाद में, महिला के परिवार वालों ने हाईकोर्ट में अर्ज़ी देकर, महिला के गर्भ में पल रहे भ्रूण की मृत्यु के लिए अतिरिक्त मुआवज़ा देने की मांग की। अनुमान के मुताबिक, वह भ्रूण लगभग 8-9 महीने का था।

सुप्रीम कोर्ट के 'कामना शर्मा बनाम भारत संघ' मामले में दिए गए फ़ैसले का हवाला देते हुए, जस्टिस प्रशांत कुमार ने यह फ़ैसला सुनाया कि माँ के गर्भ में पल रहे पाँच महीने या उससे अधिक उम्र के अजन्मे बच्चे को, एक जीवित बच्चे के बराबर ही माना जा सकता है।

26 फरवरी को दिए गए अपने फ़ैसले में कोर्ट ने कहा, 'इसलिए, इस मामले में हुए हादसे में एक ऐसे मानवीय भ्रूण की भी मृत्यु हो गई, जिसे एक 'व्यक्ति' का दर्जा दिया जा सकता था। अगर यह हादसा न हुआ होता, तो वह अजन्मा बच्चा जीवित रहता और इस दुनिया में जन्म लेता। '

कोर्ट ने पाया कि माँ के गर्भ में पल रहे बच्चे के अधिकार देश के कानूनों द्वारा अच्छी तरह से सुरक्षित हैं, क्योंकि गर्भस्थ शिशु (foetus) गर्भवती महिला के भीतर एक अलग जीवन होता है। कोर्ट ने राय दी कि गर्भस्थ शिशु का नुकसान असल में एक बच्चे का ही नुकसान है।

कोर्ट ने आगे कहा, 'उस अजन्मे बच्चे को, जिसका कभी जीवित जन्म नहीं हो पाता, एक 'व्यक्ति' माना जाता है, जिसकी मृत्यु के लिए मुआवज़े का दावा किया जा सकता है। इसलिए, अपीलकर्ता गर्भस्थ शिशु को एक बच्चे के रूप में मानते हुए, उसके नुकसान के लिए अलग से मुआवज़ा पाने के हकदार हैं।

'कोर्ट ने यह भी कहा कि हालाँकि रेलवे अधिनियम में 'गर्भस्थ शिशु' शब्द का विशेष रूप से ज़िक्र नहीं है, फिर भी यह मामला रेलवे अधिनियम की धारा 124 के दायरे में आएगा, क्योंकि यह मृत्यु एक रेल दुर्घटना से जुड़ी किसी अप्रिय घटना के परिणामस्वरूप हुई थी। इसलिए, कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में, रेलवे की यह कानूनी ज़िम्मेदारी बनती है कि वह दावा करने वालों को मुआवज़ा दे।

कोर्ट ने फ़ैसला सुनाते हुए कहा, 'चूँकि गर्भस्थ शिशु को एक बच्चे के रूप में ही माना जाता है, इसलिए गर्भस्थ शिशु/बच्चे की मृत्यु को माँ की मृत्यु से अलग, एक स्वतंत्र दुर्घटना के रूप में देखा जाएगा। इस प्रकार, दावा करने वाले गर्भस्थ शिशु के नुकसान के लिए 8,00,000 रुपये का अतिरिक्त मुआवज़ा पाने के भी हकदार हैं। 'इससे पहले, कर्नाटक हाईकोर्ट, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने भी इसी तरह का नज़रिया अपनाया था कि मुआवज़े का आकलन करते समय गर्भस्थ शिशु की मृत्यु को बच्चे की मृत्यु के बराबर ही माना जाना चाहिए। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भी अपने फ़रवरी के फ़ैसले में इन निर्णयों का हवाला दिया था।

बार क्षेत्र के कई गांवो मे बेमौसम बारिश के साथ हुई भारी ओलावृष्टि

अन्नदाताओ ने की मुवावजे की मांग

बार(ललितपुर)- कस्बा बार सहित आसपास के गांवों में शुक्रवार शाम हुई मूसलाधार बारिश और भीषण ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में पककर तैयार खड़ी गेहूं, सरसों और मटर की फसलों को सबसे अधिक क्षति पहुंची है। किसान अपनी सालभर की मेहनत को आंखों के सामने बर्बाद होता देख मायूस नजर आ रहे हैं। शुक्रवार शाम करीब चार बजे अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बारिश भीषण ओलावृष्टि में बदल गई, जो करीब आधे घंटे से अधिक समय तक जारी रही। इस दौरान गिरे बड़े-बड़े ओलों ने खेतों में खड़ी फसल को पूरी तरह गिरा दिया। कई जगह तो फसल जमीन पर बिछ गई, जिससे खेतों में हरियाली की जगह तबाही का मंजर नजर आने लगा। जिन किसानों ने फसल काटकर खेतों में रखी थी, उनकी कटी फसल भी भीगकर खराब हो गई। कस्बा बार समेत गदयाना, करमई, डुलावन टोड़ी, बम्हौरी सहना, भैलोनी लोध, सेमरा भागनगर, चिगलौआ, मिर्चवारा, धमना, पुलवारा, लड़वारी, दशरारा, बछरावनी सहित कई गांव इस आपदा की चपेट में आ गए। इन क्षेत्रों में किसानों की खड़ी और कटी दोनों तरह की फसलें बर्बाद हो गई हैं। फसलें नष्ट होने से किसान गहरी चिंता में डूबे हुए हैं। कई किसानों ने कर्ज लेकर खेती की थी, लेकिन अब फसल खराब होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने प्रशासन से जल्द सर्वे कराकर नुकसान का आंकलन करने और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है, ताकि उन्हें इस विपदा से कुछ राहत मिल सके।

आकाशीय बिजली का कहरः संग्राम उर्फ नेता यादव की मौत, बेटा गंभीर, दो गायों की भी मृत्यु

● चकिया घरहरा गांव में दर्दनाक हादसा, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

साहसों प्रयागराज। जनपद प्रयागराज के फूलपुर तहसील अंतर्गत बहादुरपुर विकास खंड के चकिया घरहरा गांव में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस घटना में 62 वर्षीय किसान संग्राम उर्फ नेता यादव की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि उनका बेटा ज्ञान यादव गंभीर रूप से झुलस गया। घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार को अचानक मौसम खराब हो गया। तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से यह हादसा हुआ। बताया जाता है कि संग्राम यादव उस समय घर के बाहर बैठकर गाय को चारा डाल रहे थे। तभी पास के एक पेड़ पर बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर वे बुरी तरह झुलस गए और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

इस घटना में उनका बेटा ज्ञान यादव भी बिजली की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों और ग्रामीणों की सहायता से उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा है। हादसे में परिवार की दो गायों की भी मौके पर ही मृत्यु हो गई, जिससे परिवार को भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा घायल युवक के समुचित इलाज की व्यवस्था कराने की मांग की है। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

ईद का सच - खुशी बाँटने में मिलती है, रखने में नहीं

[ईद-उल-फ़ित्रः अनुशासन, संयम और आत्मिक विजय का पर्व]

[रमज़ान से ईद तकः सच्ची खुशी का आंतरिक और आध्यात्मिक सफर]

ईद-उल-फ़ित्र केवल एक सामान्य उत्सव नहीं, बल्कि आत्मसंयम, धैर्य और आध्यात्मिक शक्ति की सर्वोच्च विजय का अनुपम प्रतीक है। रमज़ान की तपस्या ने शरीर को शुद्ध किया, मन को स्थिर और अडिग बनाया, और आत्मा में गहरी संतुलन और ताकत भर दी। परिवार और मित्रों के साथ गले मिलना, मिठाइयाँ बाँटना, जरूरतमंदों की मदद करना और नमाज़ पढ़ना केवल परंपरा नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सौहार्द और एकजुटता का सजीव संदेश है। ईद यह सिखाती है कि असली स्वतंत्रता केवल अनुशासन, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी में निहित है, और यही मूल्य जीवन को सार्थक, स्थिर और पूर्ण बनाते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक खुशी बाहरी भोग-भंडार में नहीं, बल्कि आंतरिक शक्ति, साझा संवेदनाओं और मानवता की गहन समझ में है।

ईद-उल-फ़ित्र वह क्षण है जब आत्मा और मन का पुनर्जागरण अपनी पूर्णता पर पहुँचता है। पूरे महीने की अनुशासित दिनचर्या ने दिमाग और आत्मा को संयम, धैर्य और संतुलन का पाठ पढ़ाया है। यह दिन आज की डिजिटल और तुलना-प्रधान दुनिया में वास्तविक मानवीय संबंधों और गहरे संवाद की याद दिलाता है। परिवार और मित्रों के साथ बिताया गया समय, बिना किसी स्क्रीन के खुला संवाद, और दुआएँ जो केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे समाज और मानवता के कल्याण के लिए होती हैं, भीतर से शांति और नई ऊर्जा भरती हैं। माफी और क्षमा का संदेश इस दिन और भी स्पष्ट रूप से प्रकट होता है, जो हर व्यक्ति के भीतर नई शुरुआत, आत्मविश्वास और जीवन की सच्ची शक्ति जगाता है।

ईद-उल-फ़ित्र केवल त्योहार नहीं, बल्कि रमज़ान के अनुशासन के साथ-साथ आज के समय में पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवन के महत्व का भी प्रेरणादायक संदेश है। इस दिन तैयार होने वाले भोजन को आवश्यकता के अनुसार रखना और अनावश्यक बर्बादी से बचना इस्लामी शिक्षाओं (इसराफ़ न करने) के अनुरूप है। नए कपड़े पहनने की परंपरा न केवल उत्सव की खुशी बढ़ाती है, बल्कि पुराने कपड़ों को दान कर जरूरतमंदों तक पहुँचाने का संदेश भी देती है, जो सस्टेनेबल फैशन को प्रोत्साहित करता है। फितरा और ज़कात गरीबों और अनाथों को शामिल करने का अवसर प्रदान करते हैं, जबकि घर पर और प्राकृतिक तरीके से बनाई गई मिठाइयाँ प्रोसेस्ड फूड के प्रति सतर्कता की प्रेरणा देती हैं। ईद हमें यह सिखाती है कि लालच से दूर रहकर, संसाधनों का सम्मान करके और सामूहिक संतोष अपनाकर, जीवन और समाज में संतुलन कायम किया जा सकता है।

ईद-उल-फ़ित्र युवाओं के लिए केवल त्योहार नहीं, बल्कि आत्मिक और मानसिक सशक्तिकरण का अवसर है। यह दिन उन्हें वर्चुअल दुनिया से बाहर निकलकर असली रिश्तों और संवाद में निवेश करने की प्रेरणा देता है। तनाव और चिंता से जूझ रहे युवाओं के लिए ईद अनुशासन और संयम की ताकत याद दिलाती है, जिससे आत्मविश्वास और साहस बढ़ता है। खेल, मिलन समारोह और सामाजिक गतिविधियाँ टीम भावना, सहयोग और सामूहिक समझ का संदेश देती हैं। असली खुशी सोशल मीडिया में नहीं, बल्कि वास्तविक कनेक्शन और साझा अनुभव में निहित है। यह त्यौहार युवाओं को नई ऊर्जा और उत्साह देता है, ताकि वे अपने सपनों और करियर की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सकें। ईद-उल-फ़ित्र वैश्विक एकता और मानवता का प्रतीक भी है। यह दिन पूरी दुनिया में एकसाथ मनाया जाता है, जो दर्शाता है कि मानवता की सीमाएँ किसी देश या धर्म से बड़ी हैं। युद्ध और विभाजन के समय में यह प्रेम, भाईचारे और सहयोग का संदेश फैलाती है। गिफ्ट्स का आदान-प्रदान केवल वस्तुएँ नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक पुल बनाता है। हर धर्म और समुदाय इसके संदेश से प्रेरित होकर बलिदान, त्याग और एकजुटता का महत्व समझ सकता है। ईद की नमाज़ वैश्विक प्रार्थना है, जो शांति, सहिष्णुता और सहयोग की कामना करती है और सिद्ध करती है कि छोटी परंपराएँ भी बड़े बदलाव की नींव रख सकती हैं।

ईद-उल-फ़ित्र जीवन में सफलता, संतोष और खुशहाली की राह दिखाती है। यह बताती है कि अनुशासन, धैर्य और सामूहिकता ही जीवन को सार्थक बनाते हैं। यह त्योहार हर अंधेरे के बाद रोशनी का प्रतीक है और मानव जीवन को नई दिशा देता है। सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि हमारे भीतर छिपा है–ईद बार-बार इस सत्य को याद दिलाती है। इसकी आत्मा अपनाई जाए तो यह समाज और दुनिया दोनों को बदल सकती है। ईद नए सपनों और संभावनाओं की शुरुआत है, जो हर साल नई ऊर्जा और उत्साह के साथ लौटती है और जीवन को सुंदर बनाती है।

खुशी का असली सार केवल प्राप्त करने में नहीं, बल्कि देने और बाँटने में छिपा है–और ईद इसी संदेश को जीवंत करती है। यह पर्व प्रेम, क्षमा, सहयोग और मानवता की शक्ति को उजागर करता है। हर दुआ, दान और साझा आनंद केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक, समृद्ध और संतुलित बनाने का अभ्यास है। आज की तेज़-तर्रार और क्षणिक सुखों में उलझी दुनिया में, ईद हमें यह याद दिलाती है कि आत्मा की संतुष्टि और भीतर से महसूस की जाने वाली खुशी ही सबसे स्थायी, शुद्ध और सच्ची खुशी है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

एक नया भारत, जहां हर नन्हीं सांस सुरक्षित कल की नींव रखती है

नन्हीं सांसों का सुरक्षित देश — नई पहचान भारत की

अब बचपन किस्मत के भरोसे नहीं, मजबूत व्यवस्था के सहारे है

भारत ने इतिहास रच दिया है–और इस बार यह उपलब्धि किसी युद्ध, अर्थव्यवस्था या तकनीक की नहीं, बल्कि मानवता की सबसे कोमल धरोहर, हमारे बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी है। वह देश, जहां कभी हर हजार में सैकड़ों बच्चे पांच साल की उम्र तक पहुंचने से पहले ही जिंदगी हार जाते थे, आज उसी भारत में बचपन पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और आश्वस्त नजर आता है। लगभग तीन दशकों में बाल मृत्यु दर में 79 प्रतिशत की ऐतिहासिक गिरावट केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आंखों में लौटी मुस्कान और अनगिनत सपनों की नई शुरुआत है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को न केवल स्वीकारा है, बल्कि भारत की खुले दिल से सराहना करते हुए इसे वैश्विक उदाहरण बताया है। यह वह क्षण है जब हर भारतीय को गर्व से भर जाना चाहिए।

बीते तीन दशकों में भारत ने जो बदलाव देखा है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। 1990 में जहां हर 1000 में से 127 बच्चों की मौत पांच साल से पहले हो जाती थी, वहीं 2024 तक यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 27 रह गया है। नवजात शिशुओं की मृत्यु दर भी 57 से घटकर 17 प्रति 1000 हो गई है। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि उन असंख्य जीवनों की कहानी हैं जिन्हें समय रहते बचाया गया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट इन तथ्यों की पुष्टि करती है, जिससे यह उपलब्धि और भी विश्वसनीय और महत्वपूर्ण बनती है। यह परिवर्तन दिखाता है कि मजबूत इच्छाशक्ति और सटीक नीतियों के साथ असंभव भी संभव हो सकता है।

भारत की प्रगति को 2025 की यूएन आईजीएमई रिपोर्ट ने प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया है। इसके अनुसार, अंडर-5 मृत्यु दर में 79 प्रतिशत और नवजात मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। दक्षिण एशिया में भी भारत ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए कुल कमी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वैश्विक स्तर पर जहां कई देशों की प्रगति धीमी पड़ रही है, वहीं भारत ने निरंतर सुधार बनाए रखते हुए खुद को 'एक्जेम्पलर' यानी आदर्श के रूप में स्थापित किया है। इतनी बड़ी और विविध आबादी के बावजूद यह उपलब्धि दिखाती है कि सही रणनीति और समर्पण से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

इन बदलावों के पीछे भारत सरकार की योजनाओं और नीतियों का मजबूत तंत्र सक्रिय रहा है। जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम किया। यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम के जरिए बच्चों को समय पर टीकाकरण मिला, जिससे कई घातक बीमारियों पर नियंत्रण संभव हुआ। स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट्स और टेली-एसएनसीयू जैसी पहलों ने दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाईं। साथ ही आईएमएनसीआई जैसी योजनाओं ने बच्चों के बीमार होने पर त्वरित और प्रभावी इलाज सुनिश्चित किया। यही समन्वित प्रयास आंकड़ों को वास्तविक उपलब्धियों में बदलने का आधार बना।

क्षेत्रीय संदर्भ में देखें तो दक्षिण एशिया में भारत की भूमिका बेहद अहम रही है। वर्ष 2000 में जहां इस क्षेत्र की बाल मृत्यु दर 92 प्रति 1000 थी, वह 2024 तक घटकर 32 रह गई–जिसमें भारत का योगदान सबसे अधिक है। वैश्विक स्तर पर भी भारत ने अपनी हिस्सेदारी में उल्लेखनीय कमी दर्ज की है। 1990 में अंडर-5 मौतों में भारत की बड़ी भागीदारी थी, जो अब काफी घट चुकी है (दक्षिण एशिया कुल वैश्विक मौतों का लगभग 25% है, जिसमें भारत प्रमुख रहा है)। नवजात मौतों में भी भारत ने उल्लेखनीय गिरावट हासिल की है। जहां उप-सहारा अफ्रीका अभी भी उच्च मृत्यु दर से जूझ रहा है, वहीं भारत ने दिखाया है कि विकासशील देश भी ठोस रणनीति और निरंतर प्रयासों से तेज सुधार कर सकते हैं।

जमीनी स्तर पर इन उपलब्धियों का प्रभाव सबसे स्पष्ट रूप से नजर आता है। अब गांवों और कस्बों में भी माता-पिता अपने बच्चों के स्वस्थ जीवन को लेकर पहले से अधिक आश्वस्त हैं। संस्थागत प्रसव बढ़ने से जन्म के समय जोखिम घटे हैं, वहीं टीकाकरण अभियानों ने पोलियो, खसरा जैसी बीमारियों को लगभग समाप्ति तक पहुंचा दिया है। विशेष नवजात देखभाल इकाइयों ने समय से पहले जन्मे या कम वजन वाले बच्चों को बचाने में अहम भूमिका निभाई है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि अधिकांश बाल मृत्यु रोकी जा सकती थीं–और भारत ने इन्हें रोककर नई उम्मीद की नींव रखी है। यह बदलाव केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का भी प्रतीक है।

सफलता के इस मुकाम पर भी चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं। 2024 में वैश्विक स्तर पर 49 लाख बच्चों की मौत हुई, जिनमें 23 लाख नवजात शामिल हैं–यह स्थिति की गंभीरता दिखाता है। भारत में भी कुछ क्षेत्रों में असमानताएं बनी हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता सुधार की मांग करती है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि सतत विकास लक्ष्यों के लिए प्रयासों की गति बढ़ानी होगी। स्टिलबर्थ सर्विलांस गाइडलाइंस जैसे कदम बताते हैं कि भारत भविष्य की चुनौतियों के प्रति भी सजग है। यही दूरदृष्टि आगे का रास्ता सुरक्षित करेगी।

भारत की यह कहानी केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रेरणा है–एक ऐसा उदाहरण जो दुनिया को सिखाता है कि जनसंख्या, संसाधन या भौगोलिक चुनौतियां सफलता में बाधा नहीं बनतीं, यदि नीतियां समावेशी और लक्ष्य स्पष्ट हों। आज जरूरत है कि इस प्रगति को बनाए रखा जाए और इसे और आगे बढ़ाया जाए। हर बच्चे को सुरक्षित, स्वस्थ और खुशहाल बचपन देना केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। यदि यह प्रयास निरंतर जारी रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति बनेगा, बल्कि मानवीय विकास का भी सर्वोत्तम उदाहरण होगा–जहां हर बचपन सूरज की तरह उज्ज्वल, सुरक्षित और उम्मीदों से भरा होगा।

कृति आरके जैन

बेगुनाह बचपन को झुलसा रहा है युद्ध का बारूद

दुनिया भर में हर संघर्ष में सबसे बड़ी मार बचपन पर पड़ रही है चाहे इजरायल हमास गाजा का संघर्ष रहा हो चाहे सीरिया लेबनान ईरान में हुए टकराव सबसे बड़ी कीमत बच्चों को चुकानी पड़ रही है। एशिया में बढ़ते युद्ध का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है.मौजूदा टकराव में कई सौ बच्चे मिसाइल हमलों से मौत की नींद सो चुके हैं जबकि लाखों बच्चे बेघर हो गए हैं वहीं लाखों बच्चों का सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है उनकी स्कूली शिक्षा में रुकावट आ गयी है और वह दहशत के साए में असुरक्षित जीवन जीने के लिए मजबूर हो रहे हैं। यह सब इक्कीसवीं सदी की कथित शिक्षित विकासशील दुनिया में हो रहा है यह बता रहा है कि दुनिया का इंसान विज्ञान विकास और प्रगति के कितने भी दावे करे लेकिन वह सब बेमानी है जब कथित लोकतांत्रिक और ताकतवर देश दुनिया में हठधर्मी अराजकता फैलाए मनमाने टैरिफ वसूली करे तब दुनिया की अंतराष्ट्रीय संगठन और संस्थाएं सिर्फ बगले झांकने का काम कर रहीं हैं तब तमाम मानवतावादी विचार और मानवाधिकारों की बाते भोथरी और खोखली बेमानी बन कर रह जाती है।

आपको बता दें संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी ने चेतावनी दी है कि लगातार बढ़ती हिंसा से लाखों बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ गई है. इसी बीच ईरान के राष्ट्रपति ने भी शांति की बात करते हुए युद्ध खत्म करने के लिए कुछ शर्तें सामने रखी हैं अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमलों की शुरुआत की थी। इस दौरान एक अमेरिकी मिसाइल मीनाब के शजारेह तैयबा स्कूल पर जाकर गिरी थी। इस हमले में 168 बच्चे और 14 शिक्षक मारे गए थे। मरने वालों में ज्यादातर छात्राएं थीं।

इस हमले की पूरी दुनिया में खूब निंदा की गई थी। अमेरिका भी मामले की जांच कर रहा है।दुनिया भर में चर्चा चल रही है कि क्या ये युद्ध अपराध की श्रेणी में आ सकता है? आपको बता दें कि यूनिसेफ ने कहा है कि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष से पूरे पश्चिम एशिया में बच्चों की स्थिति बहुत गंभीर हो गई है. एजेंसी के अनुसार 28 फरवरी से अब तक हिंसा में एक हजार एक सौ से ज्यादा बच्चे घायल हुए हैं या उनकी मौत हो गई है. इनमें से लगभग दो सौ बच्चों की मौत ईरान में हुई है. वहीं इक्यानबे बच्चों की मौत लेबनान में हुई है. इसके अलावा चार बच्चों की मौत इजरायल में और एक बच्चे की मौत कुवैत में हुई है.

रिपोर्ट्स के अनुसार यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि अगर हिंसा इसी तरह बढ़ती रही तो मरने और घायल होने वाले बच्चों की संख्या और बढ़ सकती है. संस्था ने यह भी बताया कि इस संकट के कारण लाखों बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं. शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बाधा के कारण पूरे क्षेत्र में लाखों बच्चे स्कूल से वंचित हो गए हैं, जबकि सैकड़ों हजारों बच्चे लगातार बमबारी के कारण विस्थापित हो गए हैं। अस्पतालों, स्कूलों और पानी और स्वच्छता प्रणालियों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे, जिन पर बच्चे का जीवन निर्भर हैं, दोनों पक्षों द्वारा हमले किए गए हैं, उन्हें नुकसान पहुंचाया गया है या नष्ट कर दिया गया है। बच्चों की हत्या और उन्हें अपंग करना, या उन जरूरी सेवाओं पर हमला कर बर्बाद करना, जिन पर बच्चे निर्भर हैं, किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता।लगातार बमबारी के कारण लाखों परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं और सैकड़ों हजार बच्चे बेघर हो गए हैं.इजराइल लगातार लेबनान पर भी हमले कर रहा है। इस वजह से करीब 8 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इनमें 2 लाख से ज्यादा बच्चे हैं। यूनिसेफ ने कहा कि बच्चों की हत्या या उन्हें घायल करना किसी भी हालत में सही नहीं ठहराया जा सकता. संस्था ने यह भी कहा कि बच्चों के लिए जरूरी सेवाओं को नष्ट करना या बाधित करना भी गलत है. यूनिसेफ के अनुसार पूरे क्षेत्र में लगभग बीस करोड़ बच्चे हैं और वे उम्मीद कर रहे हैं कि दुनिया जल्द कदम उठाएगी.

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि हिंसक टकराव की वजह से पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में स्वास्थ्य प्रणालियों पर दबाव बढ़ रहा है और उपचार के लिए सेवाएँ सीमित होती जा रही हैं. लेबनान में हिज़बुल्लाह लड़ाकों और इसराइली सैन्य बलों में लड़ाई के बीच 11 हज़ार से अधिक गर्भवती महिलाएँ प्रभावित हैं और प्रवासी कामगारों के लिए भी जोखिम बढ़ रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार लेबनान में 11,600 महिलाओं पर इस टकराव का असर हुआ है, जिनमें से 4 हज़ार अगले तीन महीनों के दौरान बच्चों को जन्म देंगी. ईरान पर इसराइली व अमेरिकी हवाई हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई से मध्य पूर्व में भड़के भीषण टकराव ने लेबनान, कुवैत, बहरीन, क़तर, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ओमान समेत इस क्षेत्र में स्थित अनेक देशों को अपनी चपेट में ले लिया है. ब्रिटिश अखबार गार्डियन ने स्कूल पर हमले का जिक्र करते हुए लिखा है, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कथित तौर पर हमले के तुरंत बाद का दृश्य दिख रहा है। जली हुई दीवारों से उठता धुआं दिख रहा है और सड़क पर मलबा बिखरा पड़ा है। सैकड़ों लोग घटनास्थल पर जमा है। अखबार लिखता है कि वो बम विस्फोट की रिपोर्ट, मृतकों की संख्या और वीडियो के स्रोत की तुरंत स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका लेकिन फैक्ट चेक संगठन फैक्टनेमेह ने स्कूल परिसर की अन्य तस्वीरों के साथ वीडियो का मिलान किया और निष्कर्ष निकाला कि वीडियो प्रामाणिक है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भी फुटेज की पुष्टि की है और बताया है कि यह स्कूल का ही है। गार्डियन ने लिखा है कि यह स्कूल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की बैरक में स्थित लग रहा है। दूसरी ओर कतर के न्यूज आउटलेट अल जजीरा की अरबी सेवा के मुताबिक अमेरिका ने मीनाब की स्कूली छात्राओं की जानबूझकर हत्या की है।

उधर अल जजीरा ने लिखा कि सोशल मीडिया पर इस तबाही की तस्वीरें फैलते ही इसराइल और अमेरिका के अधिकारियों ने इस हमले से खुद को अलग बताने की कोशिश की। अल जजीरा ने लिखा, कुछ इसराइल समर्थित वेबसाइटों और सोशल मीडिया अकाउंट्स ने दावा किया कि यह जगह इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के बेस का हिस्सा थी। लेकिन अल जजीरा की डिजिटल इन्वेस्टिगेशन यूनिट ने एक दशक से अधिक समय के सैटेलाइट चित्रों, हाल के वीडियो, समाचार रिपोर्टों और ईरानी सरकारी बयानों के विश्लेषण से बिल्कुल अलग तस्वीर सामने आती है। जांच के निष्कर्ष बताते हैं कि कम से कम पिछले दस वर्षों से यह स्कूल पास के सैन्य ठिकाने से स्पष्ट रूप से अलग था। जांच यह भी संकेत देती है कि हमले के पैटर्न से उस खुफिया जानकारी की सटीकता पर गंभीर सवाल उठते हैं जिसके आधार पर बमबारी की गई।

शांति और मानवाधिकारों की तमाम अवधारणाओं और अंतरराष्ट्रीय कानून व मान्यताओं को दरकिनार कर स्कूली बच्चों और अस्पतालों में इलाज करा रहे रोगियों पर मिसाइल हमले इस खूनी मानसिकता की दरिंदगी भरी गाथा को उजागर कर रहे हैं। अपने स्वार्थ और सनक के चलते कई देशों के सत्ताधारी इंसानियत बेगुनाहों और मजलूमों को दिन रात रौंद कर क्रूरता और वहशीपन का नया इतिहास लिख रहे हैं जिसे आने वाली सदियों तक पीढ़ियां भुगतान करने के लिए मजबूर होगीं।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने बढ़ाई किसानों की चिंता, गुजरात में मौसम का कहर बना चुनौती

गुजरात में अचानक बदले मौसम ने आम जनजीवन के साथ-साथ किसानों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। गुरुवार को राज्य के अनेक जिलों में तेज हवाओं, धूल भरी आंधियों, ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने ऐसा रूप लिया कि कई स्थानों पर हालात किसी छोटे तूफान जैसे प्रतीत हुए। इस अप्रत्याशित मौसम परिवर्तन ने जहां लोगों को गर्मी से कुछ राहत दी, वहीं दूसरी ओर खेतों में खड़ी रबी फसलों के लिए यह किसी आपदा से कम नहीं रहा। विशेष रूप से उस समय जब गेहूं, चना, जीरा और सौंफ जैसी फसलें कटाई के लिए पूरी तरह तैयार खड़ी थीं, इस तरह की बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने का खतरा बढ़ा दिया है।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में दर्ज की गई वर्षा ने यह स्पष्ट कर दिया कि मौसम ने व्यापक रूप से असर डाला है। अमरेली जिले की बगसरा तहसील में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई, जबकि सुरेंद्रनगर के चोटीला, राजकोट शहर और जूनागढ़ की भैंसाण तहसील में भी लगभग डेढ़ इंच तक पानी गिरा। इसके अलावा कई अन्य क्षेत्रों में भी हल्की से मध्यम वर्षा हुई। दिनभर में कुल बहत्तर तहसीलों में वर्षा दर्ज होना इस बात का संकेत है कि यह बदलाव केवल सीमित क्षेत्र तक नहीं रहा, बल्कि पूरे प्रदेश में इसका प्रभाव दिखाई दिया।

राजकोट में तो स्थिति और भी गंभीर रही, जहां केवल एक घंटे की तेज बारिश ने पूरे शहर को जलमग्न कर दिया। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ गए, होर्डिंग्स गिर गए और कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। इसी प्रकार जामनगर में धूल भरी आंधी के कारण दृश्यता कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को काफी कठिनाई हुई। कई जगहों पर सौर ऊर्जा पैनल उड़कर सड़कों पर गिर गए, जिससे संपत्ति का नुकसान भी हुआ।

पाटण जिले के सांतलपुर और समी क्षेत्रों में तूफानी हवाओं ने भारी तबाही मचाई। कई मकानों के छप्पर उड़ गए और दीवारें गिर गईं, जिससे लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए। छोटे रण क्षेत्र में रहने वाले अगरिया समुदाय को भी बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा, क्योंकि नमक उत्पादन प्रभावित हुआ और सौर ऊर्जा उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। यह केवल प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन और आजीविका पर सीधा प्रहार है जो पहले से ही सीमित संसाधनों के सहारे जीवन यापन करते हैं।

महेसाणा, वडोदरा और जूनागढ़ सहित अन्य जिलों में भी तेज हवाओं और बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई स्थानों पर ओलावृष्टि की भी खबरें सामने आईं, जिससे खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका और बढ़ गई है। ओले गिरने से फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे किसानों को बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाता। ऐसे में यह स्थिति किसानों के लिए दोहरी मार साबित होती है।एक ओर उत्पादन घटता है और दूसरी ओर आय भी कम हो जाती है।

मौसम विभाग के अनुसार इस अचानक बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण की भूमिका है। इन कारणों से राज्य के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश और आंधी की स्थिति बनी। विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि आने वाले चौबीस घंटों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है और कुछ क्षेत्रों में इक्कीस मार्च तक बेमौसम बारिश जारी रह सकती है। विशेष रूप से बनासकांठा, पाटण, साबरकांठा, कच्छ और दक्षिण गुजरात के क्षेत्रों में इस प्रकार की स्थिति बनी रहने की संभावना जताई गई है।

किसानों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि रबी फसलों की कटाई का दौर चल रहा होता है। महीनों की मेहनत के बाद जब फसल तैयार होती है, तभी इस तरह का मौसम उनकी सारी उम्मीदों को झटका दे देता है। बारिश के कारण कटाई में देरी होती है, फसल भीग जाती है और कई बार पूरी तरह खराब हो जाती है। इसके अलावा तेज हवाओं से फसलें गिर जाती हैं, जिससे कटाई और भी कठिन हो जाती है। इससे उत्पादन में कमी आती है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के मौसम परिवर्तन अब पहले की तुलना में अधिक देखने को मिल रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकते हैं। बदलते मौसम के इस स्वरूप ने खेती को पहले से अधिक जोखिम भरा बना दिया है। ऐसे में किसानों को नई तकनीकों और सावधानियों को अपनाने की आवश्यकता है, ताकि वे इस प्रकार की परिस्थितियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकें। कृषि विभाग ने भी किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं और मौसम की जानकारी पर लगातार नजर बनाए रखें।

प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है। आपात स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, इस तरह की प्राकृतिक घटनाओं के सामने मानव प्रयास सीमित ही साबित होते हैं, लेकिन समय पर चेतावनी और सावधानी से नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

यह बेमौसम बारिश और आंधी केवल एक दिन की घटना नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि मौसम का स्वरूप बदल रहा है और इसके प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। किसानों की चिंता इस बात को लेकर है कि यदि इसी प्रकार का मौसम बार-बार होता रहा, तो उनकी आय और जीवन दोनों पर इसका गहरा असर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में प्रयास किए जाएं।

अंततः कहा जा सकता है कि गुजरात में आया यह मौसम परिवर्तन केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हमें अपने पर्यावरण और कृषि प्रणाली को अधिक मजबूत और अनुकूल बनाने की दिशा में कदम उठाने होंगे। किसानों की सुरक्षा और उनके भविष्य को सुनिश्चित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है, क्योंकि वही हमारे अन्नदाता हैं और उनकी समृद्धि में ही पूरे समाज की समृद्धि निहित है।

कांतिलाल मांडोत

गणगौर - शिव-पार्वती के अनन्य प्रेम का पर्व बने नारी अस्मिता का उत्सव ?

भारतीय सनातन संस्कृति में प्रत्येक पर्व का अपना विशिष्ट महत्व है। ये पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के संवाहक भी हैं। इन्हीं में से एक है गणगौर एक ऐसा पावन उत्सव, जो भगवान शिव और माता पार्वती के अटूट प्रेम, समर्पण और वैवाहिक आदर्शों का प्रतीक माना जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला यह पर्व विशेष रूप से मध्यप्रदेश और राजस्थान में व्यापक रूप से प्रचलित है, हालांकि उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कई हिस्सों में भी इसकी गूंज सुनाई देती है।

'गणगौर' शब्द स्वयं में ही इस पर्व के सार को समेटे हुए है 'गण' अर्थात भगवान शिव और 'गौर' अर्थात माता पार्वती। यह शिव और शक्ति के दिव्य मिलन का उत्सव है। इस दिन महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि, पति की दीर्घायु और वैवाहिक जीवन की स्थिरता के लिए व्रत और पूजा करती हैं। अविवाहित कन्याएं योग्य वर की कामना से माता पार्वती की आराधना करती हैं। निस्संदेह, यह पर्व नारी की श्रद्धा, आस्था और पारिवारिक मूल्यों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रहा है।

गणगौर उत्सव की शुरुआत होलिका दहन से होती है, जब महिलाएं जवारे बोती हैं। कई स्थानों पर यह उत्सव 16 दिनों तक चलता है, तो कहीं इसकी अवधि संक्षिप्त भी होती है। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक श्रृंगार करती हैं, मेहंदी रचाती हैं और लोकगीतों व नृत्यों के माध्यम से अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करती हैं। अंतिम दिन सुसज्जित प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकाली जाती है और विधि-विधान से विसर्जन किया जाता है। गांव-गांव में मेले और सांस्कृतिक आयोजन इस पर्व को सामुदायिक उत्सव का रूप दे देते हैं।

आधुनिक टेक्नोलॉजी से लेंस इस युग में सवाल यह है कि क्या गणगौर का अर्थ केवल 'अच्छे पति की कामना' तक सीमित रह जाना चाहिए ? आधुनिक समय में, जब समाज तीव्र गति से बदल रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम इस पर्व के मूल संदेश को नए दृष्टिकोण से समझें। गणगौर का वास्तविक भाव केवल वैवाहिक सुख तक सीमित नहीं है। यह नारी के आत्मबल, उसकी इच्छाओं और उसके अस्तित्व के सम्मान का भी प्रतीक हो सकता है और होना चाहिए। यदि इस पर्व को केवल श्रृंगार, मेहंदी और परंपरागत अनुष्ठानों तक सीमित कर दिया जाए, तो इसके व्यापक सामाजिक संदेश के साथ अन्याय होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि गणगौर को नारी सशक्तिकरण के एक सशक्त माध्यम के रूप में पुनर्परिभाषित किया जाए। यह पर्व हमें याद दिला सकता है कि समर्पण के साथ-साथ सम्मान और समानता भी उतनी ही आवश्यक है। प्रेम तभी सार्थक होता है, जब उसमें आत्मसम्मान और अधिकारों की बराबरी शामिल हो। गांवों और शहरों में आयोजित मेलों, गीतों और उत्सवों के बीच हमें इस पर्व की आत्मा को नहीं भूलना चाहिए समर्पण, प्रेम और संतुलन। लेकिन यह संतुलन तभी पूर्ण होगा, जब उसमें समानता और गरिमा का समावेश हो। अंततः, गणगौर केवल अतीत की परंपरा नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के समाज को दिशा देने वाला सांस्कृतिक अवसर है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इसे केवल एक अनुष्ठान बनाए रखें या इसे नारी गरिमा, समानता और सामाजिक प्रगति के उत्सव में परिवर्तित करें।

अरविंद रावल

अली लारिजानी की हत्या से अमेरिका इजरायल के बीच बिगड़ते कूटनीतिक समीकरण

इज़रायल द्वारा अली लारिजानी की कथित हत्या ने मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक परिदृश्य को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहाँ पहले से सुलग रहा ईरान इजरायल संघर्ष अब खुली ज्वाला में परिवर्तित होता दिखाई दे रहा है। लगभग बीस दिनों से जारी इस संघर्ष ने अब केवल सैन्य सीमाओं को नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संतुलन को भी बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ऊर्जा बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव, तेल और गैस की कीमतों में उछाल, और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की अनिश्चितता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह युद्ध केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक संकट का रूप ले चुका है। अमेरिका का यह दावा है कि इज़रायल ने बिना पूर्व अनुमति के यह कार्रवाई की है, रणनीतिक साझेदारी में दरार का संकेत देता है, और यही दरार अब अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी दृष्टिकोण को यदि उनके दोनों कार्यकालों के संदर्भ में देखा जाए तो एक दिलचस्प विरोधाभास सामने आता है।पहले कार्यकाल में ट्रम्प की नीति आक्रामक होते हुए भी नियंत्रित थी, जहाँ उन्होंने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए, ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर दबाव की राजनीति को अपनाया, लेकिन साथ ही प्रत्यक्ष बड़े युद्ध से बचने की रणनीति भी बनाए रखी, वे 'अधिकतम दबाव' की नीति के माध्यम से ईरान को झुकाना चाहते थे, न कि सीधे सैन्य टकराव में उलझना।

इसके विपरीत दूसरे कार्यकाल में परिदृश्य अधिक जटिल और अनियंत्रित प्रतीत होता है, जहाँ सहयोगी देशों के बीच भी समन्वय की कमी सामने आ रही है, इज़रायल द्वारा बिना सूचना के की गई इस कार्रवाई ने यह दर्शा दिया है कि अब अमेरिका की पकड़ अपने सहयोगियों पर पहले जैसी नहीं रही, और निर्णय अधिक बिखरे हुए तथा आक्रामक हो गए हैं। अली लारीजानी को ईरान के भीतर एक संतुलित और संवाद समर्थक नेता माना जाता रहा है, उनकी अनुपस्थिति ने ईरान की राजनीति में कठोर रुख रखने वाले धड़ों को और अधिक प्रभावशाली बना दिया है, जिससे किसी भी प्रकार के युद्धविराम या समझौते की संभावना लगभग समाप्त हो गई है, वहीं इजरायल की रणनीति अब स्पष्ट रूप से निर्णायक सैन्य बढ़त हासिल करने की दिशा में बढ़ती दिख रही है, जिसमें कूटनीति के लिए बहुत कम स्थान बचा है। इस संघर्ष का विस्तार तब और स्पष्ट हो गया। कतर में स्थित गैस और तेल भंडारों पर हमलों की खबरें सामने आईं, यह केवल सैन्य शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करने की रणनीतिक चाल भी है, जिसका प्रभाव यूरोप, एशिया और विशेषकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर गहराई से पड़ रहा है। ट्रम्प के दोनों कार्यकालों की तुलना इस पूरे संकट को समझने में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करती है।पहले कार्यकाल में उन्होंने शक्ति और कूटनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश की, जहाँ दबाव के साथ संवाद की संभावना जीवित रही, लेकिन दूसरे कार्यकाल में परिस्थितियाँ अधिक अस्थिर और अप्रत्याशित हो गई हैं, सहयोगी देशों की स्वतंत्र कार्रवाइयाँ, क्षेत्रीय शक्तियों की आक्रामकता, और कूटनीतिक संवाद का लगभग समाप्त हो जाना यह संकेत देता है कि अब वैश्विक व्यवस्था अधिक विखंडित हो चुकी है।

आज की स्थिति में सबसे बड़ा संकट केवल युद्ध नहीं, बल्कि संवाद के सभी रास्तों का बंद हो जाना है, जब बातचीत की संभावनाएँ समाप्त होती हैं तो युद्ध ही एकमात्र भाषा बन जाती है, और यही भाषा अंततः मानवता के लिए सबसे अधिक विनाशकारी सिद्ध होती है, वर्तमान परिदृश्य यह चेतावनी दे रहा है कि यदि शीघ्र ही कोई संतुलित और दूरदर्शी कूटनीतिक पहल नहीं हुई, तो यह संघर्ष एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध से आगे बढ़कर वैश्विक संकट का रूप ले सकता है, जिसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ेगी।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

ब्लॉक संसाधन केंद्र में शिक्षामित्रों की बैठक आयोजित

लालगंज (रायबरेली)। ब्लॉक संसाधन केंद्र में शुक्रवार को प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ शाखा की एक बैठक आयोजित हुई।बैठक में बड़ी संख्या में शिक्षामित्रों ने हिस्सा लिया। इस दौरान संगठन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। आयोजित बैठक में सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षामित्र साथियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित करने पर विचार किया गया। सभी ने एक स्वर में कहा कि लंबे समय तक सेवा देने वाले साथियों को सम्मानपूर्वक विदाई मिलनी चाहिए। शिक्षामित्रों ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मानदेय बढ़ाए जाने और कैशलेस व्यवस्था लागू करने पर आभार जताया। साथ ही उन्होंने भविष्य में और बेहतर सुविधाओं की उम्मीद भी व्यक्त की। लखनऊ में प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए सभी को तैयार रहने का आह्वान किया गया। ब्लॉक मीडिया प्रभारी सुनील कुमार त्रिवेदी ने कहा कि शिक्षामित्रों का कार्यकाल 62 वर्ष किया जाए। साथ ही पीएफ फंड और 12 माह के मानदेय की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षामित्रों का भविष्य सुरक्षित होगा। बैठक में संगठन विस्तार पर भी निर्णय लिया गया। इस मौके पर मदन कुमार तिवारी व अमितेश कुमारी को उपाध्यक्ष, संजय सिंह और मनोज शर्मा को संगठन मंत्री बनाया गया। सीमा यादव और गीता देवी को महिला संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। बैठक संरक्षक राज बहादुर यादव के संयोजन में हुई।अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा ने की। इस मौके पर राज नारायण, बाबू शंकर, महेश कुमार मिश्रा सहित दर्जनों शिक्षामित्र मौजूद रहे।

रैली निकालकर ग्रामीणों को नशे दूर रहने के लिए किया जागरूक

लालगंज (रायबरेली)। बैसवारा इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से आलमपुर गांव में आयोजित विशेष शिविर के तहत शुक्रवार को युवा दिवस मनाया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति अभियान चलाकर गांव में जनजागरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता रैली से हुई। स्वयंसेवकों ने गांव की गलियों में घूमकर लोगों को नशे के बुरे प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने नशा छोड़ने और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया। इसके बाद आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. वंदना त्रिपाठी ने कहा कि नशा समाज का कैंसर है। यह व्यक्ति, परिवार और राष्ट्र तीनों को कमजोर करता है। युवाओं को इससे दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही नशा उन्मूलन का सबसे बड़ा हथियार है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की पूर्व स्वयंसेवक प्रतिभा अवस्थी को सम्मानित किया गया। उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणा बताया गया। कार्यक्रम अधिकारी बीरेन्द्र शुक्ल ने कहा कि युवाओं को महान आदर्शों से सीख लेकर समाज निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अनुशासन और सेवा भावना अपनाने की अपील की। गोष्ठी का संचालन छात्रा श्रेया ने किया। प्रीति, संजना और किरण ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

आवश्यक सूचना

आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि0 की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की रामसेवक पुत्र श्री राम, निवासी-तपोवन नगर, मानस नगर, लखनऊ ने अपना भूखण्ड जो भूमि खसरा सं0-1472 रकबा 1050 वर्गफिट, स्थित-ग्राम-कनौसी, वार्ड-केशरी खेड़ा, तहसील व जिला-लखनऊ पर स्थित है जिसकी चौहद्दी पूरब भूमि रामसेवक, पश्चिम रास्ता 20 फिट चौड़ा, उत्तर भूमि विक्रेता, दक्षिण भूमि विक्रेता को नवीन कुमार चौबे पुत्र श्री रामजी, निवासी-चौबे की दलकी, सूर्य भानपुर, जिला-बलिया, उ0प्र0 को विक्रय का प्रस्ताव किया है उपरोक्त भूखण्ड आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि0 में नवीन कुमार चौबे पुत्र श्री रामजी, निवासी-चौबे की दलकी, सूर्य भानपुर, जिला-बलिया, उ0प्र0 द्वारा बंधक किया जा रहा है उपरोक्त भूखण्ड विक्रेता की पैतृक सम्पत्ति है।

यदि उपरोक्त खसरे के सह खातेदार राम नारायण, राम किशोर, चन्द्रा किशोर यादव पुत्रगण श्री राम, मेवालाल पुत्र छोटा, रामचन्द्र यादव, चन्द्रशेखर यादव, राम मिलन यादव, लालजी यादव पुत्रगण श्यामलाल या किसी अन्य व्यक्ति या किसी वित्तीय संस्था को इस क्रय विक्रय अथवा बंधक के सम्बन्ध में कोई आपति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के अंदर आपत्ति दर्ज कराने का कष्ट करे उपरोक्त समयावधि के बाद किसी प्रकार का दावा विचार योग्य नही माना जायेगा

आपत्ति हेतु संपर्क करे
ललित मोहन जोशी एडवोकेट
एमजी 87 अलीगंज लखनऊ
मर्मो- 95658 81290

युवाओं में प्रेरणा के पुरोधा है श्री प्रेमानंद जी महाराज

स्वतंत्र प्रभात
सचिन बाजपेई

लखनऊ राधे राधे! आज वृंदावन धाम में राधा-नाम की मधुर धुन गूंज रही है। लाखों भक्तों के हृदय में एक ही नाम है- श्री हित प्रेमानंद गोविंद शरण जी महाराज। 19 मार्च को उनके पावन जन्मोत्सव का मुख्य दिन मनाया गया। श्री हित राधा केली कुंज (वराह घाट, परिक्रमा मार्ग, वृंदावन) में 13 मार्च से 19 मार्च तक चला यह 7 दिवसीय भव्य उत्सव अब समाप्त हो चुका है, लेकिन भक्ति की लहरें अभी भी पूरे ब्रज में गूंज रही हैं। यह सिर्फ एक संत का जन्मदिन नहीं, बल्कि राधारानी के अनन्य भक्त और सरल भक्ति के प्रतीक का उत्सव है, जिसने लाखों लोगों के जीवन को राधा-नाम से जोड़ दिया है।

प्रेमानंद जी महाराज युवाओं के प्रेरणा पुरोधा

पूज्य श्री हित प्रेमानंद गोविंद शरण जी महाराज (जिन्हें प्रेमानंद महाराज या प्रेमानंद जी महाराज के नाम से जाना जाता है) का जन्म 30 मार्च 1969 को उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के सरसौल ब्लॉक के अखरी गांव में एक साधारण ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका बचपन का नाम अनिरुद्ध कुमार पांडे था। वे अंग्रेजी तिथि के बजाय हिंदू पंचांग (विक्रम संवत) के अनुसार चैत्र नवरात्रि की प्रतिपदा/पंचमी के आसपास अपना जन्मोत्सव मनाते हैं, इसी कारण उत्सव मार्च के मध्य (13-19 मार्च) मनाया जाता है। बचपन से ही भक्ति की ज्वाला उनके मन में जल रही थी। मात्र 13 वर्ष की उम्र में उन्होंने घर त्याग दिया और वृंदावन धाम आकर राधा वल्लभ संप्रदाय की शरण में समर्पित हो गए। गुरु कृपा से वे प्रेमानंद गोविंद शरण बने और आज राधा केली कुंज के प्रमुख रसिक संत के रूप में पूरे देश-दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

2026 जन्मोत्सव: भव्य आयोजन और उत्साह

इस वर्ष जन्मोत्सव 13 मार्च से 19 मार्च 2026 तक धूमधाम से मनाया गया। राधा केली कुंज को फूलों, रंगोली और दिव्य सजावट से सजाया गया। रोजाना विशेष दर्शन, राधा-नाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन, सत्संग और प्रसादी वितरण का कार्यक्रम रहा। 19 मार्च को मुख्य उत्सव के दिन भक्तों ने महाराज जी को फूलों की मालाएं चढ़ाई, आरती उतारी और राधे-राधे का जयघोष किया।

महाराज जी की सरलता और संदेश क्यों इतने लोकप्रिय?

प्रेमानंद जी महाराज की सबसे बड़ी खासियत उनकी सरलता है। कोई आडंबर नहीं, कोई दिखावा नहीं- बस राधा-कृष्ण के प्रेम में डूबे रहना।उनके प्रवचन जटिल शास्त्र नहीं, बल्कि माँ की लोरी जैसे सरल और हृदयस्पर्शी होते हैं। मुख्य संदेशः 'राधा नाम ही सब कुछ है। भक्ति में सरलता रखो,

प्रेम करो, नाम जपो - यही सच्चा मार्ग है। 'वे खुद को राधारानी का दास मानते हैं। उनकी वाणी में वृंदावन की मिट्टी, यमुना की लहरें और रासलीला की मधुरता झलकती है।अमीर-गरीब, युवा-बुजुर्ग सभी के लिए समान प्रेम। उनके दर्शन से हजारों लोग भाव-विभोर होकर रो पड़ते हैं या नाम जपने लगते हैं। आज के युग में जब लोग तनाव और माया में फंसे हैं, महाराज जी की शिक्षाएं जीवन को सरल, सुखी और भक्ति-मय बनाने का मार्ग दिखाती हैं।

महाराज जी सिखाते हैं कि असली जन्मदिन वह है जब हम अंदर की माया त्यागकर भक्ति में नया जन्म लें। आज के दिन हम सब प्रार्थना करें: 'हे प्रेमानंद जी महाराज! आपकी कृपा से हमारा मन राधा नाम में लगे, जीवन प्रेम और शांति से भरा रहे। राधे राधे! 'राधे राधे पूज्य महाराज जी को जन्मोत्सव की कोटि-कोटि शुभकामनाएं। आपकी कृपा सदैव बनी रहे। जय श्री हित राधा केली कुंज! जय प्रेमानंद गोविंद शरण जी महाराज!

सीडीओ ने प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किये प्रमाण पत्र

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली:- उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आर0डी0ए0 के सामुदायिक केंद्र विकास प्राधिकरण रतापुर में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी के आयोजन में मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को डमी चेक एवं प्रशंसा पत्र वितिरित किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत 06 लाभार्थियों को डमी चेक प्रदान किये गये जिसमें सुमित, रेनू गुप्ता, शिव गणेश एवं धीरज कुमार को पांच-पांच लाख रूपये व ओम प्रकाश को रूपये 10 लाख एवं सूरज कुमार को 4 लाख 12 हजार रूपये का डमी चेक वितरित किया गया। इसी दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में ऋण वितरण में सर्वाधिक प्रगति वाले बैंको के क्षेत्रीय प्रबंधको को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया जिसमें मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत उ0प्र0 ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अनुज कुमार प्रथम स्थान, बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेन्द्र प्रताप सिंह को द्वितीय स्थान एवं पंजाब नेशन बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक रक्तिमावा दान को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार एक जनपद एक उत्पाद मार्जिन मनी योजना के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक बृजभानु सिंह प्रथम, बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वितीय एवं उ0प्र0 ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अनुज कुमार यादव को तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अन्तर्गत बैंक ऑफ महाराष्ट्र के जिला समन्वयक विवेक सक्सेना प्रथम, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक बृजभानु सिंह द्वितीय एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेन्द्र प्रताप सिंह तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के पंजीकृत दलों द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कौशल विकास मिशन व आर सेटी से प्रशिक्षण प्राप्त, ऐसे युवा जो उद्यमी बनना चाहते हैं उन्हें उद्योग विभाग द्वारा स्वरोजगार योजनाओं से ऋण प्राप्त करते हुए उद्यम स्थापित करने में सहयोग किया जाए। इसके साथ ही जिन बैंकों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में ऋण वितरण में बेहतर कार्य किया हैं उनकी प्रशंसा की। मंच का संचालन एस0 एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, उप प्रधानाचार्य आईटीआई राजकुमार मौर्य, एलडीएम रूपेश दुबे, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन राजीव कुमार सिंह, वंदना सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

विश्व गौरैया दिवस विशेष तुवन मंदिर में गूँजी गौरैया की चहचहाहट

श्रीतुवन मंदिर में गौरैया हाऊस सौंपते व मौजूद लोग

● पंचतत्वों के प्रतीक के रूप में लगे कृत्रिम गौरैया आवास

स्वतंत्र प्रभात

ललितपुर। विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर आज श्रीश्री 1008 तुवन मंदिर प्रांगण में एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। मानव ऑर्गेनाइजेशन, स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट (एसएफडी) कानपुर प्रांत और भारतीय जैव विविधता संरक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गौरैया बचाओ अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात इसकी आध्यात्मिक और वैज्ञानिक प्रस्तुति रही। श्रीहनुमानजी महाराज, जिन्हें पर्यावरण और अष्ट सिद्धियों का देवता माना जाता है, उनके सानिध्य में पांच कृत्रिम गौरैया आवास (घोंसले) स्थापित किए गए। ये पांच घोंसले प्रकृति के पंचतत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चे गौरैया के मास्क पहनकर आकर्षण का केन्द्र बने रहे, जिन्होंने अपनी मासूमियत से विलुप्त होती इस प्रजाति को बचाने का संदेश दिया। पर्यावरणविद् पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि गौरैया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे ईको-सिस्टम की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। हमने तुवन मंदिर से इस अभियान की शुरुआत इसलिए की क्योंकि मंदिर परिसर जैव विविधता के संरक्षण के केन्द्र रहे हैं। पंचतत्वों के प्रतीक यह पांच आवास इस बात की याद दिलाएंगे कि मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति के बिना संभव नहीं है। हमारी आगामी योजना जनपद के हर स्कूल और मंदिर में इसी प्रकार गौरैया आवास लगाने की है।

अभाविप संगठन मंत्री हरिओम जायसवाल ने कहा कि विद्यार्थी परिषद हमेशा से रचनात्मक कार्यों में अग्रणी रही है। एसएफडी के माध्यम से हम छात्रों को किताबी ज्ञान से बाहर निकालकर धरातल पर पर्यावरण संरक्षण से जोड़ रहे हैं। आज के बच्चे जब गौरैया का मास्क पहनकर इस अभियान का हिस्सा बनते हैं, तो वे भविष्य के लिए प्रकृति के रक्षक के रूप में तैयार होते हैं। यह अभियान पूरे कानपुर प्रांत के लिए एक मिसाल बनेगा। पर्यावरणविद् डा. राजीव निरंजन ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण और कंक्रीट के जंगलों के बीच गौरैया ने अपना प्राकृतिक आवास खो दिया है।

कृत्रिम आवास एक तात्कालिक और प्रभावी समाधान है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी, पक्षियों की चहचहाहट मानसिक शांति प्रदान करती है और कीट-पतंगों को नियंत्रित कर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखती है। इस तरह के सामूहिक प्रयास ही विलुप्त होती प्रजातियों को बचा सकते हैं। विभाग प्रमुख डा.दीपक पाठक ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों का मिलन जब सामाजिक सरोकार के लिए होता है, तो परिणाम सकारात्मक होते हैं। पांच की संख्या का चयन हमारे वेदों और दर्शन से जुड़ा है। स्कूलों में इन घोंसलों को लगाने से नई पीढ़ी में जीव-जंतुओं के प्रति करुणा और संवेदनशीलता पैदा होगी, जो आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। संस्था संस्थापक पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि यह अभियान केवल आज के दिन तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले समय में जिले के अन्य प्रमुख मंदिरों और विद्यालयों में इसी पंचतत्व मॉडल के आधार पर गौरैया आवास लगाए जाएंगे, ताकि गौरैया एक बार फिर हमारे आंगन और छतों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके।

इस वर्ष अभियान की सबसे अनूठी पहल ची-ची ग्रुप का गठन है। जनपद ललितपुर के प्रत्येक वार्ड में बच्चों को संगठित कर यह ग्रुप बनाया जाएगा। इन नन्हे पर्यावरण प्रेमियों की जिम्मेदारी अपने आसपास के घरों में गौरैया के लिए दाना-पानी सुनिश्चित करना और लोगों को घोंसले लगाने के लिए प्रेरित करना होगा। बच्चों के जुड़ाव से यह अभियान एक संस्कार के रूप में विकसित होगा। इस पुनीत कार्य के साक्षी बनने हेतु नगर के कई प्रबुद्ध और प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वतंत्र व्यास, सचिन जैन, गौ पुत्र प्रशांत शुक्ला, गौरव जैन, अशोक स्वर्णकार, संजय बुढ़वार, बलराम कुशवाहा, हरप्रसाद चौरसिया, एड. मुकेश साहू, कुलदीप द्विवेदी, नगर मंत्री गोपाल शर्मा, नीर जैन, और गौतमी जैन उपस्थित रहे। साथ ही महिला शक्ति और युवाओं की टोली में डा.प्रीति सिरोठिया, रिंकी, टिंकी, जानवी, सुंदरी, पिंकी, शालिनी, और अभय सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे, जिन्होंने इस संकल्प को घर-घर पहुँचाने की शपथ ली।

वीरांगना अवंती बाई लोधी अदम्य साहस की प्रतीक

देवरिया। जनपद के रामपुर कारखाना क्षेत्र के डुमरी स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय पर आयोजित गोष्ठी में चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि वीरांगना अवंती बाई लोधी अदम्य साहस की प्रतीक थीं, जिनकी शहादत प्रेरणा देती है। उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा को याद करते हुए उनके योगदान को सराहा। साथ ही डॉ. भीमराव आंबेडकर के 1927 के महाड़ तालाब आंदोलन को सामाजिक समानता का महत्वपूर्ण अध्याय बताया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने तीनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के प्रहर्ष फाउंडेशन द्वारा 19 मार्च 2026 को रवींद्रालय सभागार, चारबाग में एक भव्य कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिष्ठित कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। इस अवसर पर पत्रकार विपिन शर्मा को प्रहर्ष सम्मान 2026 से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजीव मिश्रा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा अवध क्षेत्र की गरिमामयी उपस्थिति रही। आमंत्रित कवियों में संजय शौक, मुकुल महान, प्रमोद द्विवेदी, अंशु दबे, आलोक रंजन मिश्रा, डॉ0 सुमन दुबे प्रबंधक एवं सुधा गुप्ता महामंत्री शामिल रही, जो अपनी कविताओं से साहित्यिक माहौल को और समृद्ध किया। कार्यक्रम का आयोजन शाम 5:00 बजे से 6:45 बजे तक किया गया। आयोजक मंडल ने सभी साहित्य प्रेमियों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

यूपीटीईटी-2026 की तारीखें घोषित, 2 से 4 जुलाई को तीन दिनों में होगी परीक्षा

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ- उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPESSC) ने शिक्षक बनने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए राहत भरी खबर दी है। यूपीटीईटी-2026 परीक्षा 2, 3 और 4 जुलाई को तीन दिनों में आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 27 मार्च से शुरू होकर 26 अप्रैल तक चलेगी।

आयोग द्वारा जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार यह परीक्षा ऑफलाइन (OMR आधारित) मोड में दो पालियों में होगी। प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) के लिए पेपर-1 और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के लिए पेपर-2 आयोजित किया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

- आवेदन शुरू होने की तिथि: 27 मार्च 2026
- आवेदन की अंतिम तिथि: 26 अप्रैल 2026
- शुल्क जमा करने एवं सुधार की अंतिम तिथि: 1 मई 2026 (संभावित)
- परीक्षा तिथि: 2, 3 एवं 4 जुलाई 2026

UPTET पास करने वाले अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश के सरकारी व सहायता प्राप्त स्कूलों में प्राथमिक एवं जूनियर शिक्षक भर्ती के लिए आवेदन करने के योग्य होंगे। परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक (आरक्षित वर्ग के लिए 55 प्रतिशत) प्राप्त करने पर ही उत्तीर्ण माना जाएगा। TET प्रमाणपत्र सात वर्ष तक मान्य रहेगा।

अधिकारिक अधिसूचना जल्द ही जारी होने वाली है, जिसमें विस्तृत पात्रता मानदंड, परीक्षा पैटर्न, सिलेबस और आवेदन शुल्क की जानकारी दी जाएगी।

अभ्यर्थी नियमित रूप से आयोग की वेबसाइट upessc.up.gov.in या updeled.gov.in पर नजर रखें।

लंबे इंतजार के बाद परीक्षा तिथियों की घोषणा से अभ्यर्थियों में खुशी है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब अभ्यर्थी अपनी तैयारी को अंतिम रूप दे सकते हैं और आवेदन प्रक्रिया शुरू होते ही फॉर्म भर लें। विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर अधिसूचना अवश्य पढ़ें।

हरे पेड़ काटे, रोकने पहुंची टीम से धक्का मुक्की

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के गेगासों पुलिस चौकी के पास लकड़ी ठेकेदारों ने बिना परमिट प्रतिबंधित हरे पेड़ काट डाले। सूचना मिलने पर पहुंची वन विभाग की टीम से आरोपियों ने धक्का मुक्की कर दी। वन विभाग के बीट इंचार्ज नीरज शर्मा ने पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि गेगासों चौकी क्षेत्र में कुछ लोग अवैध रूप से पेड़ों की कटाई कर रहे थे। इसकी सूचना विभाग को मिली तो टीम मौके पर पहुंची। मौके पर रेंजर नीरज जोशी और अन्य कर्मचारी मौजूद थे। टीम ने जब लकड़ी ठेकेदारों से पूछताछ शुरू की तो आरोपी भड़क गए। उन्होंने कर्मचारियों के साथ अभद्रता की। बात बढ़ने पर धक्का मुक्की शुरू कर दी। घटना से वन विभाग के कर्मचारियों में आक्रोश है। अवैध कटान और हमले को लेकर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले में सरकारी कार्य में बाधा गाली गलौज और वन संरक्षण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक उमेशचंद्र यादव का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

जनपद की गौशालाओं में गौवंश प्रबंधन के इंतजामों की समीक्षा के लिए डीएम ने ली बैठक

» **गौशालाओं में पर्याप्त जल, हरा चारा, भूसा, साईलेज आदि की उपलब्धता के लिए अधिकारियों को दी जिम्मेदारी**

» **समय-समय पर निरीक्षण कर गौशालाओं की व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग करेंगे अधिकारी**

स्वतंत्र प्रभात

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के अस्थायी/स्थायी गौवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंशों के भरण पोषण आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराये जाने हेतु सभी नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा गौशालाओं में गोवंश संरक्षण, भूसा, साईलेज, चूनी, ताजा पानी व हरे चारे की समीक्षा की गई, उन्होंने कहा कि आने वाली गर्मी से गौवंशों को छायादार स्थान, सभी गौवंश को दिन में कम से कम तीन बार पानी, संतुलित आहार एवं हरा चारा दिया जाए, जिससे उनका स्वास्थ्य अच्छा रहे, इसके लिए सभी नोडल अधिकारी समय-समय पर गौशाला का निरीक्षण करते रहे।

उन्होंने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों व नगर पालिका व नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौशालों में भूसे व हरे चारे की कोई कमी न रहे, इसके लिए वे स्वयं गौशालाओं का निरीक्षण करेंगे और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायेंगे। बैठक की समाप्ति पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने सभी अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ भगवान सिंह, डीसी मनरेगा रमेश कुमार यादव, सभी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सभी नोडल अधिकारी व सभी बीडीओ, सभी ईओ तथा अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिनमंदिर निर्माण में दान सर्वश्रेष्ठ- मुनि सुधासागर

● वाहुवलिनगर में मुनि श्री के सानिध्य में मंदिर पुण्यार्जक ने किया शिलान्यास

स्वतंत्र प्रभात

ललितपुर। श्री वाहुवलिनगर में तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि श्री सुधासागर महाराज ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए दान की महिमा बताई और कहा धर्म और जिनमंदिर के निर्माण में किया गया दान सर्वश्रेष्ठ है उन्होने कहा दान को उत्साह के साथ देना चाहिए जितना देते है उसका फल कईगुना मिलता है। आज प्रातःकाल मुनि श्री का अभिनंदनोदय तीर्थ से बाहुवलिनगर की के लिए पदार्पण हुआ जहां मुनि श्री की श्रावकों ने गाजे बाजे के साथ जयजयकारों के मध्य अगुवाई की।

जिसमें आदिनाथ सेवा संघ वाहवलिनगर का दिव्यघोष और ध्वजा लिए हुए नवयुवक आकर्षण का केन्द्र रहे। वाहुवलिनगर में मुनि श्री का श्रावकों ने द्वारे द्वारे पादप्रक्षालन किया। मुनि श्री के मुखारविन्द से शान्तिधारा का श्रावकों ने पुण्याजन किया। जैन मिलन

महिला मण्डल ने संगीतमय पूजन कर अर्घ समर्पित किए। इस मौके पर मुनि श्री के ससंघ सानिध्य में मंदिर जीर्णोद्धार के लिए समाज संकल्पित हुई और पुर्णाजक पारिवार अशोक जैन अर्पित जैन शिवाजी मातोश्री परिवार ने आधारशिला रखते हुए मुनि श्री से आर्शीवाद ग्रहण किया। धर्मसभा का संचालन महामंत्री आकाश जैन एवी गैस द्वारा किया गया। अभिनंदनोदय तीर्थ में मुनि श्री के सानिध्य में नवीन वेदिका पर विराजित रजतमयी प्रतिमाओं का अभिषेक का पुण्यार्जन विनोद कुमार देवेन्द्र कामरा परिवार द्वारा किया गया। मुनि श्री सुधासागर महाराज की आहरचर्या का पुर्याजन संदीप जैन अलंकार ज्वैलर्स परिवार को मिला।

इस मौके पर प्रमुख रूप से नगरपालिका अध्यक्ष सोनाली जैन अभिलाषा, जैन पंचायत के अध्यक्ष डॉ0 अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, संयोजक सनत जैन खजुरिया, मंदिर प्रबंधक मोदी पंकज जैन, अशोक दैलवारा, विकास जैन सौरई, अभय जैन कैलगुवा धार्मिक अयोजन संयोजक प्रतीक इमलिया, राकेश जैन रिंकू, श्रेष्ठी शीलचंद अनौरा, मुन्ना लाल जैन सैदपुर, अनिल जैन अंचल, नरेन्द्र जैन छोटे पहलवान, राजेन्द्र जैन थनवारा, अक्षय अलया मीडिया प्रभारी, संजय रसिया, जीवन जैन मिर्चवारा, नरेन्द्र कडंकी, संजीव सौरया, अभिषेक ककडारी, आदि मौजूद रहे। सायंकाल जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम आलोक जैन शास्त्री के संयोजन में सम्पन्न हुआ जिसमें अनेकों श्रवकों ने अपनी शंकाओं का समाधान निर्यापक श्रमण मुनि श्री सुधासागर महाराज द्वारा पाया।

खजरा गांव में खेत विवाद पर लाठी-डंडे से मारपीट

भाई का सिर फोड़ा, जान से मारने की धमकी

ललितपुर। बार थाना क्षेत्र के ग्राम खजरा में बुधवार दोपहर खेत में गेंहू बांध रहे युवक पर पड़ोसी ने भैंसों के घुसने के विवाद पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमलावरों ने युवक के सिर पर चोटें पहुंचाई और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित परिवार सदमे में है। मामले में बीएनएस की धारा 115(2), 352 एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पीडित राघवेन्द्र पुत्र स्व. रामनाथ यादव ने शिकायत में बताया कि 19 मार्च 2026 को दोपहर करीब 2 बजे उनका भाई पुष्पेन्द्र यादव खेत में गेंहू का पूरा बांध रहा था। इसी दौरान गांव के यादवेन्द्र पुत्र फूलसिंह अपनी भैंसें चरा रहा था। भैंसें बार-बार पुष्पेन्द्र के खेत में घुस रही थीं और फसल को नुकसान पहुंचा रही थीं। जब पुष्पेन्द्र ने यादवेन्द्र से भैंसें रोकने को कहा तो यादवेन्द्र गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर यादवेन्द्र और उसके पिता फूल सिंह पुत्र नाथूराम ने मिलकर लाठी-डंडों से पुष्पेन्द्र की जमकर मारपीट कर दी। पुष्पेन्द्र के सिर पर गहरी चोट आई। मारपीट देखकर चचेरे भाई मेघराज बचाने दौड़े तो यादवेन्द्र ने जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। राघवेन्द्र ने शाम को बार थाने में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

संक्षिप्त खबरें

ईद-उल-फितर आज, ईदगाह पर नमाज की तैयारियां हुई पूरी

कोंच(जालौन)- मुस्लिम धर्म के पाक और इबादत का रमजान माह के आखिरी दिन मनायी जाने वाली ईद-उल-फितर का त्योहार चांद दिखने के बाद आज शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। ईद-उल-फितर की नमाज ईदगाह सहित नगर की सभी मस्जिदों में सुबह 8:30 बजे अदा की जाएगी। उधर ईदगाह पर जारी तैयारियों का नगर पालिका प्रशासन ने निरीक्षण किया। ईओ मोनिका उमराव, आरआई सुनील कुमार जेई अरुण कुमार सहित ठेकेदार जितेंद्र निरंजन, अमित उपाध्याय आदि ने ईदगाह मैदान की साफ सफाई, गड्ढों में मिट्टी भरे जाने, आने- जाने का रास्ता, पानी और चूने के छिड़काव की व्यवस्था परखी। सारी व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त किए जाने के लिए ईओ ने पालिका कर्मचारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। दूसरी ओर, ईदगाह कमेटी द्वारा रंगाई पुताई और साज सज्जा का काम पूरा कर लिया गया है।

किशोरी संग छेड़छाड़ के आरोप में दो युवकों पर रिपोर्ट दर्ज

कोंच(जालौन)- नाबालिग किशोरी संग छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नगर के एक मोहल्ला निवासी महिला ने कोतवाली पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी नाबालिग बेटी संग अमीर पुत्र मुन्ना एवं आशु उर्फ मौसम पुत्र चुन्ना ने छेड़खानी की। पुलिस ने उक्त दोनों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं उक्त मामला आपसी वाद विवाद से जोड़कर भी देखा जा रहा है। दरअसल किशोरी के पिता और छेड़छाड़ के दोनों आरोपियों से विगत रोज वाद विवाद हुआ था जिसमें पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध एनसीआर दर्ज कर शांति भंग की कार्यवाही की थी।

पालिका द्वारा पकड़ा गया खूंखार कुत्ता फिर से लौटा, मुहल्ले में दहशत

दोबारा शिकायत पर फिर पकड़ा गया कुत्ता

कोंच(जालौन)- गत रोज गुरुवार को एक खूंखार कुत्ते को नगर पालिका की टीम पकड़ कर ले गई थी और उसे दूर जंगल में छोड़ दिये जाने की बात कही गई थी, लेकिन शुक्रवार की सुबह वह कुत्ता फिर से मोहल्ले में पहुंच गया। कुत्ते को देख मोहल्ले के लोगों में एक बार फिर से दहशत फैल गई। खूंखार कुत्ते को पुनः देख लोगों ने अपने-अपने बच्चों को घरों के अंदर कर लिया और बाहर राहगीरों से सावधानी बरतने की अपील करते रहे। मोहल्ले के लोगों ने तत्काल ही नगर पालिका प्रशासन को दोबारा कुत्ते के आ जाने की सूचना दी। जिसके बाद पालिका टीम मोहल्ले में पहुंची और उस खूंखार कुत्ते को एक बार फिर से पकड़ कर ले गई। पालिका प्रशासन का दावा है कि टीम ने कस्बे के बाहर ही कुत्ते को छोड़ा था, वहीं मोहल्ले के लोग पालिका प्रशासन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे हैं। गौरतलब हो कि कस्बे के जयप्रकाश नगर और पटेल नगर में पिछले पांच-छह दिनों से आतंक मचाए खूंखार कुत्ता एक-एक कर पांच लोगों पर हमला बोलकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर चुका था।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में प्रॉपर्टी खरीदना हुआ महंगा, 1 अप्रैल से बढ़ेंगी दरें; क्या होगा नया रेट?

» यमुना अथॉरिटी ने संपत्ति की दरों में 3.58% की वृद्धि की है, जो 1 अप्रैल से लागू होगी। यह बढ़ोतरी मौजूदा महंगाई दर के कारण की गई है।

» अथॉरिटी ने आगामी वित्त वर्ष के लिए 11,811 करोड़ का बजट मंजूर किया है।

ग्रेटर नोएडा। यमुना अथॉरिटी के अधिकार क्षेत्र में प्रॉपर्टी खरीदना अब और महंगा हो गया है। अथॉरिटी ने प्रॉपर्टी की दरों में 3.58 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। अधिकारियों का कहना है कि यह बढ़ोतरी मौजूदा महंगाई दर को देखते हुए की गई है। नई दरें 1 अप्रैल से लागू होंगी। अथॉरिटी ने आने वाले वित्त वर्ष के लिए ?11,811 करोड़ का बजट मंजूर किया है। मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए 300 करोड़ और नोएडा एयरपोर्ट के लिए 502 करोड़ आवंटित किए गए हैं। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (YEIDA) आने वाले वित्त वर्ष में ज़मीन अधिग्रहण पर सबसे ज्यादा रकम 8,000 करोड़ खर्च करने जा रही है।

दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र हमले का शिकार

» खाड़ी देशों पर ईरानी जवाबी हमले, तेल-गैस कीमतें आसमान छूईं, ट्रंप का कड़ा चेतावनी भरा बयान- वैश्विक ऊर्जा संकट की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली (विशेष संवाददाता/एजेंसियां): मध्य पूर्व में जारी ईरान बनाम इजराइल-अमेरिका युद्ध अब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट का रूप ले चुका है। विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस क्षेत्र साउथ पार्स (ईरान-कतर सीमा पर स्थित) पर इजराइल के भीषण हमलों के बाद ईरान ने गुरुवार को कतर के रास लाफान एनर्जी कॉम्प्लेक्स समेत खाड़ी देशों की प्रमुख गैस और तेल सुविधाओं पर मिसाइल तथा ड्रोन हमलों की बौछार कर दी। इन हमलों में दर्जनों लोग मारे गए, जबकि क्षेत्रीय तनाव चरम पर पहुंच गया है। यह युद्ध अब 20वें दिन में प्रवेश कर चुका है। अमेरिकी और इजराइली सेनाओं ने ईरान के अंदर बड़े पैमाने पर हवाई हमले जारी रखे हैं, जबकि ईरान ने जवाब में खाड़ी देशों की ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया है। परिणामस्वरूप "तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल" के पार पहुंच गई हैं और यूरोप-एशिया में प्राकृतिक गैस की कीमतें "35-40 प्रतिशत" तक बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि संघर्ष बढ़ा तो वैश्विक मुद्रास्फीति और मंदी का खतरा गहरा सकता है।

हमलों का विस्तृत विवरण

इजराइली हमला: बुधवार को इजराइल ने ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर सटीक हमले किए। यह क्षेत्र विश्व की कुल प्राकृतिक गैस आपूर्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, हमलों में आग लग गई और उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ। IRGC (इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर) के कई ठिकानों को भी निशाना बनाया गया।

ईरानी जवाबी कार्रवाई: गुरुवार सुबह ईरान ने कतर के रास लाफान कॉम्प्लेक्स (दुनिया का सबसे बड़ा LNG निर्यात केंद्र) पर मिसाइल दागीं। साथ ही सऊदी अरब, UAE और अन्य खाड़ी देशों की ऊर्जा सुविधाओं पर ड्रोन हमले रिपोर्ट हुए। कतर में कम से कम 20 लोगों की मौत की खबर है, जबकि आग और विस्फोट से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। ईरान ने इसे 'आत्मरक्षा' बताया। क्षेत्रीय प्रभाव:लेबनान, वेस्ट बैंक, इराक और सीरिया में भी झड़पें तेज हो गई हैं। कुल मौतों की संख्या 2000 से पार कर गई है। तेल अवीव क्षेत्र में ईरानी मिसाइलों से आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं।

ट्रंप का तीखा बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति "डोनाल्ड ट्रंप" ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को सीधी चेतावनी दी: 'अगर तेहरान ने कतर या किसी अन्य दोस्त देश पर हमला जारी रखा, तो हम ईरान के पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को उड़ा देंगे। अमेरिका ने इजराइल के इस हमले के बारे में पहले से कुछ नहीं जाना था, लेकिन अब हम पूरी तरह तैयार हैं।'

ट्रंप ने साथ ही कहा कि अमेरिका 'निर्णायक रूप से जीत' रहा है और ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' के तहत और बड़े हमले होने वाले हैं। अमेरिकी रक्षा सचिव पेटे हेगसेथ ने पेंटागन ब्रिफिंग में दावा किया कि अमेरिकी सेनाएं ईरानी हवाई क्षेत्र में गहराई तक घुस चुकी हैं।

वैश्विक प्रतिक्रिया और चिंता

संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ ने तत्काल युद्धविराम की अपील की है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर बात कर डी-एस्केलेशन पर जोर दिया। चीन ने ईरान का समर्थन करते हुए कहा कि खाड़ी में स्थिरता बिगाड़ना 'अस्वीकार्य' है। बीजिंग अपनी तेल आपूर्ति को लेकर चिंतित है।

सऊदी अरब और खाड़ी देशों ने हमलों की निंदा की, लेकिन ईरान के साथ सीधा टकराव से बच रहे हैं। भारत पर प्रभाव: कच्चे तेल की ऊंची कीमतें पेट्रोल-डीजल, परिवहन और मुद्रास्फीति को प्रभावित करेंगी। सरकार ने रिजर्व से तेल निकालने और वैकल्पिक स्रोतों की तलाश शुरू कर दी है।

विशेषज्ञों की राय ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (जिससे

विश्व की 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति गुजरती है) यदि बंद हुआ तो वैश्विक अर्थव्यवस्था ठप हो सकती है। यूरोप पहले ही रूसी गैस संकट से जूझ रहा है, अब यह नया झटका और घातक साबित हो सकता है।

भारत सरकार की तैयारी: पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, 'हमारे पास पर्याप्त रणनीतिक भंडारण है। आम जनता को घबराने की जरूरत नहीं, लेकिन सतर्क रहें। '

आने वाले घंटों में: इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। ईरानी विदेश मंत्री ने किसी भी समझौते से इनकार किया है। स्थिति बेहद नाजुक है और हर घंटे नई खबरें आ रही हैं। यह युद्ध अब केवल मध्य पूर्व का नहीं रहा। यह पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और शांति को चुनौती दे रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए, वरना 2026 का इतिहास एक और बड़ा संकट दर्ज करेगा।

आगामी 24 घंटे तक मौसम का बदला रहेगा मिजाज

● कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के मौसम वैज्ञानिक ने किसानों को किया आगाह

आगामी 24 घंटे के अंदरआंधी तूफानओला ब्रिज के साथ बरसात की भी संभावना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या तेज हवा के झोंकों के बीचमौसम द्वारा अचानक करवट लेने का मामला अभी शांत नहीं होता दिख रहा है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के मौसम वैज्ञानिक द्वारा मौसम को लेकर आगामी 24 घंटे तकखराब रहनेका अंदेशा व्यक्त किया गया है। उनके अनुसार आगामी 24 घंटे तक मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदला रहेगा। जिसके चलते आंधी पानी सहित ओलावृष्टि की भी संभावना पूरी तरह से प्रबल है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के मौसम वैज्ञानिक डॉ सीताराम मिश्रा ने मौसम खराबी को लेकर बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम का तापमान अत्यधिक निम्न स्तर पर पहुंच गया है और पूर्वी क्षेत्र में मौसम बेहद गर्म एवं चढ़ाव पर है। उन्होंने बताया कि पश्चिम छोर से चली शरद हवाएं, पूर्वी गर्म हवा से टकरा रही हैं, जिसके चलते मौसम में एक बिछोभ पैदा हो गया है और मौसम अत्यंत खराब हो गया है।

उन्होंने बताया कि आगामी 24 घंटे तक मौसम का यही हाल रहने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने किसानों को आगाह करते हुए बताया कि जिन किसानों की तलहनी फसलें पक कर तैयार हो गई है अथवा कटी पड़ी हैं वह अपने फसल को सुव्यवस्थित कर लें ताकि उनका नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि यह स्थिति आगामी 24 घंटे तक बनी रहने की पूरी उम्मीद है। मौसम खराबी को लेकर एक सप्ताह पूर्व बीते 14 मार्च को ही उनके द्वारा आगाह कर दिया गया था कि मौसम अत्यंत खराब होगा, जिसमें आंधी तूफान ओलावृष्टि के साथ बरसात भी शामिल थी।

दिल्ली की जमा मस्जिद में अदा की गयी अलविदा जुमे की नमाज़ देश में अमन और भाईचारा कायम रहने की मंगी गयी दुआएं

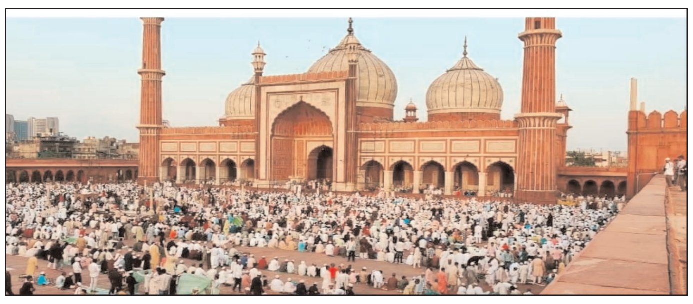

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बादल हुसैन

नई दिल्ली, रमज़ान के पाक महीने का आखिरी जुम्मा अलविदा शुक्रवार को पूरे देश में अकीदत और एहतराम के साथ अदा किया गया। दिल्ली की की मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोग नमाज के लिए पहुंचे और देश दुनिया में अमन, शांति और भाईचारे के लिए दुआ मांगी। दिल्ली की ऐतिहासिक जमा मस्जिद पर कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए गए, जहां हजारों लोगों ने अलविदा जुम्मे की नमाज अदा की।

नमाजियों ने खुदा की इबादत के बाद मुल्क में अमन चैन, भाईचारा और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगी। वहीं नमाज के लिए खास इंतजाम किए गए थे। ताकि आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

कोंच(जालौन)- कोतवाली पुलिस ने चोरी की एक बाइक के साथ युवक को गिरफ्तार किया। कोतवाली कोंच के उप निरीक्षक शिवनारायण ने शुक्रवार को नगर में महेशपुरा रोड चौराहे से चेकिंग गश्त के दौरान गगन उर्फ छोटू चतुर्वेदी निवासी ग्राम घमूरी कोतवाली कोंच को चोरी की एक बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी कार्यवाही कर पुलिस ने गगन को जेल भेज दिया है।

राजकीय रेशम फॉर्म कजरीकुंड पर रेशम विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री रेशम योजना अंतर्गत एकदिवसीय जनपद स्तरीय रेशम मेले/प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज विकासखंड अंतर्गत राजकीय रेशम फॉर्म कजरीकुंड पर रेशम विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री रेशम योजना अंतर्गत एकदिवसीय जनपद स्तरीय रेशम मेले/प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. राज्य मंत्री, उपाध्यक्ष गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश महेश कुमार शुक्ल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित किया गया।

विशिष्ट अतिथि विधायक हरैया प्रतिनिधि सरोज मिश्र द्वारा भी प्रतिभागियों को योजना से जुड़कर स्वावलंबी बनने की शुभकामनाएं दी गयी। कार्यक्रम में केंद्रीय रेशम बोर्ड के वैज्ञानिक डा. राम लखन राम तथा कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. प्रेमशंकर द्वारा कृषकों को रेशम कीट पालन से संबंधित जानकारी दी गई। रेशम मेले में दो प्रगतिशील रेशम उत्पादकों श्रीमती सरपता व सुश्री चांदनी को मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि द्वारा शाल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सुधीर पांडे द्वारा किया गया। मेले में स्वयं सहायता समूह, रेशम विभाग, दुग्ध विभाग, उद्यान विभाग, गन्ना विभाग तथा कृषि विभाग के स्टाल लगाए गए। सहायक निदेशक रेशम बस्ती द्वारा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग हरेंद्र प्रताप, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राज मंगल चौधरी, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. पी के मिश्रा, राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा बस्ती के जिला अध्यक्ष नवीन दुबे, विभिन्न विकास खंडो के 400 से अधिक कृषकगण आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम का चरित्र अनुकरणीय है, जो हमें जीवन जीने की कला सिखाता है- आचार्य रविकांत शास्त्री

● गुरचिहवा में भव्य श्रीराम कथा का शुभारंभ, पहले दिन उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पचपेड़वा विकासखंड के ग्राम पंचायत गुरचिहवा स्थित श्री आदिशक्ति समय माता मंदिर परिसर में आयोजित आठ दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा का शुभारंभ बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। कथा के प्रथम दिन अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता आचार्य रविकांत शास्त्री महाराज (अयोध्या धाम) ने अपने ओजस्वी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

उन्होंने कहा कि राम कथा मानव जीवन में शांति, सद्भाव और एकता का संदेश देती है। राम कथा सुनने से व्यक्ति पापों से दूर होकर मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। रामायण का वास्तविक अर्थ 'राम का घर' है, और तुलसीकृत रामचरितमानस को उन्होंने 'राम कथा की गंगा' बताते हुए कहा कि इसमें हर व्यक्ति स्नान कर अपने जीवन को पवित्र बना सकता है।

आचार्य जी ने कहा कि भगवान श्रीराम का चरित्र अनुकरणीय है, जो हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। परिवार, समाज, मित्र, भाई, कुटुंब और यहां तक कि शत्रु के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए, यह हमें श्रीराम के जीवन से सीखना चाहिए। उन्होंने बताया कि कलियुग में राम का नाम और राम कथा ही जीवन का सच्चा आधार है, जो व्यक्ति के अंदर विवेक, सद्बुद्धि और सकारात्मक सोच का संचार करती है।

इस अवसर पर आयोजक श्री आदिशक्ति समय माता मंदिर समिति के प्रबंधक सतीश चंद्र मिश्र की विशेष भूमिका रही, जिनके नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जा रहा है। साथ ही व्यवस्थापक विनय पाठक, अजय शुक्ला, उपाध्यक्ष हरिराम प्रजापति, रामपाल यादव,

सचिव गिरिजेश कुमार पांडे, संरक्षक अरुणदेव पाठक व अरुण कुमार चतुर्वेदी सहित , विवेक कुमार, नीलम, रवि गुप्ता, हरीराम प्रजापति, कल्लू नेता, विनय गुप्ता, बुद्धमान पेंटर, रामलौटन मौर्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी रमेश कुमार यादव ने बताया कि यह आठ दिवसीय श्रीराम कथा आयोजन क्षेत्र में आध्यात्मिक जागरण, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करेगा।

दो पक्षों के बीच मारपीट में डॉ अंबेडकर प्रतिमा का हांथ टूटा

● थाना कैलिया पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए प्रतिमा कराई दुरुस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सेता गांव में दो पक्षों के बीच हुए आपसी झगड़े में एक युवक का सिर फट गया, इसी दरम्यान मौके पर ही स्थापित डॉ भीमराव अंबेडकर प्रतिमा का एक हांथ झगड़ रहे लोगों का धक्का लगने से क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर थाना कैलिया पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था कायम करते हुए दोनों पक्षों के 4 लोगों को पकड़ लिया। रात में ही थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल द्वारा प्रतिमा का क्षतिग्रस्त हांथ दुरुस्त करा दिया गया। मौके पर एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलिया थाना क्षेत्र के सेता गांव में गांव किनारे डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित है। गुरुवार की रात करीब 8 बजे प्रतिमा के नजदीक ही गांव के दो युवक कोई कमेंट पास करने को लेकर आपस में गाली गलौज करने लगे, देखते ही देखते दोनों में लात घूंसो और चप्पलों से मारपीट होने लगी। शोरगुल सुनकर दोनों पक्षों के कुछ अन्य लोग भी मौके पर आकर आपस में मारपीट करने लगे। पत्थर लगने से बाई नाम के युवक का सिर फट गया। इसी दरम्यान इनमें से किसी व्यक्ति का धक्का प्रतिमा में लग गया जिसके चलते प्रतिमा का एक हांथ क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना ग्रामीणों ने पीआरवी सहित थाना पुलिस को दी। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल तत्परता दिखाते हुए तत्काल ही पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और झगड़ा कर रहे दोनों पक्षों के 4 लोगों को पकड़ लिया। मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चैक कर थानाध्यक्ष ने रात में ही प्रतिमा का क्षतिग्रस्त हांथ दुरुस्त करा दिया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए वहां पुलिस बल की तैनाती कर दी। शुक्रवार को थानाध्यक्ष ने दोनों पक्षों के बाबूलाल पुत्र जीवनलाल, मानवेंद्र पुत्र लालजी, मूलचंद्र पुत्र रक्सू और बाई पुत्र मूलचंद्र के विरुद्ध शांति भंग की कार्यवाही कर दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना के बाबत तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, झगड़ा करने वाले दोनों पक्षों के 4 लोगों पर शांति भंग की कार्यवाही की गई है और धक्का लगने से प्रतिमा का जो हांथ क्षतिग्रस्त हुआ था उसे रात में ही दुरुस्त करा दिया गया है। गांव में शांति व्यवस्था कायम है फिर भी एहतियातन पुलिस बल लगाया गया है।

सीडीओ बाल गोविन्द शुक्ल ने आकस्मिक निरीक्षण, गौ-संरक्षण केंद्र बैदाखास की व्यवस्थाएं संतोषजनक

● 375 गोवंश संरक्षित, भूसा-चोकर की पर्याप्त उपलब्धता और साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त

हरे चारे की सुनिश्चित आपूर्ति के निर्देश, सीसीटीवी व्यवस्था पाई गई क्रियाशील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही, 20 मार्च 2026:-मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल द्वारा आकस्मिक रूप से विकास खंड ज्ञानपुर स्थित गौ संरक्षण केंद्र बैदाखास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जनार्दन मौर्य, पशु मित्र संदीप यादव एवं केयर टेकर मौके पर उपस्थित मिले। निरीक्षण में पाया गया कि केंद्र पर कुल 375 गोवंश संरक्षित हैं। केंद्र की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक रही तथा गोवंशों के लिए भूसा एवं चोकर की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध पाई गई। साथ ही केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरे भी क्रियाशील अवस्था में मिले। संरक्षित गोवंशों में से दो गाय दूध दे रही हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने भूसा भंडारण एवं दान के माध्यम से भूसा प्राप्त करने की व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही गोवंशों के लिए हरे चारे की नियमित एवं पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

जर्जर सड़क को दुरुस्त कराने की विधायक से किया मांग

चुनार, मीरजापुर। विधायक अनुराग सिंह को भाजपा नगर मंडल उपाध्यक्ष अजय शेखर पांडेय द्वारा तहसील के अधिकारियों के साथ चाय पर आमंत्रित किया। विशेष कारण पूछने पर मंडल उपाध्यक्ष ने बताया कि तहसील मुख्यालय से थोड़ा पहले श्रीराम जानकी मंदिर के पास सड़क काफी दिनों से गड्ढों में तब्दील हो गया है और सड़क के दोनों तरफ गंदा पानी निकासी हेतु बनी नाली के टूट जाने से गड्ढों में गंदे पानी का जल जमाव हो जा रहा है जिसमें आए दिन राहगीर गिरकर चुटहिल हो रहे हैं और बराबर रास्ता अवरूद्ध हो जाता है। समस्या के समाधान हेतु कई बार पार्टी पदाधिकारियों के साथ तहसील व नगर पालिका के अधिकारियों से कहा गया लेकिन आज तक समस्या का समाधान नही कराया गया जबकि इसी रास्ते अधिकारियों की वाहनों से लोग तहसील, ब्लाक, स्वास्थ्य केन्द्र, नगर पालिका जाते हैं।

हनुमान जी मंदिर पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के मूर्ति की स्थापना शंख घंटा घड़ियाल जय श्री राम के जयघोष के साथ किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। शुक्रवार श्री राम जन्मोत्सव शोभा यात्रा समिति के तत्वाधान में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी संगमोहल स्थित हनुमान जी मंदिर पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के मूर्ति की स्थापना भजन कीर्तन के साथ शंख घंटा घड़ियाल जय श्री राम के जयघोष के साथ किया गया। उपरोक्त पूजन आरती का कार्यक्रम अष्टमी तक अनवरत चलता रहेगा ।

इस अवसर पर श्री राम जन्मोत्सव शोभा यात्रा समिति के संयोजक शुभम गुप्ता 'साईं' ने कहा की 27 मार्च रामनवमी के दिन मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा को भव्य रूप प्रदान करने के लिए 24 मार्च दोपहर 2:00 बजे रेलवे स्टेशन से मोटरसाइकिल जनजागरण यात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के विभिन्न मार्गो से होता हुआ संगमोहल स्थित हनुमान मंदिर पर समापन होगा।

25 मार्च को मातृशक्ति बहनों का स्कूटी जन जागरण यात्रा रेलवे स्टेशन से 2:00 बजे निकल जाएगी। इस अवसर पर शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष राज महेश्वरी ने सभी रामभक्तो से अनुरोध किया की पूरे नगर को भगवामय करते हुए हर गली मोहल्ले को दुल्हन की तरह सजाया जाए । इस अवसर पर शोभा यात्रा समिति के प्रभारी राहुल चंद जैन वायु ने कहा की प्रभु श्री राम की भव्य शोभा नगर के विभिन्न स्थानों पर जाएगी जहा पर नगर के सभी रामभक्त जो सेवा करते है उनका अभिवादन कीया और इस बार भी भव्य शोभायात्रा निकले।

इस अवसर पर मंत्री बृजेश गुप्ता ने सबका आभार व्यक्त किया व कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर शोभा यात्रा समिति के संरक्षक विद्याधर तिवारी, आशु कान्त चुनाहे, मनोज दमकल, रवि शंकर साहू मनिष गुप्ता ने भगवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया व भव्य आरती किया।

इस अवसर पर विभाग संयोजक बजरंग दल प्रवीण, महिला प्रभारी शिखा अग्रवाल महिला सह प्रमुख शेफाली जैन, सपना सिंह सह प्रभारी विशाल मालवीय प्रिन्स केसरी, पियुष तिवारी, पियुष अग्रवाल, अभिनव प्रताप सिंह, सह संयोजक सुरज सेठ शिवम सोनी शिवम जायसवाल उपाध्यक्ष हिमांशु मोदलवाल, सुरेश गुप्ता, शिवेश साहू अंशु तिवारी, राजेश सिन्हा,अतुल गुप्ता, तरून खण्डेवाल गोलू आयुष केशरवानी उज्जवल राज केशरवानी के साथ आदि रामभक्त उपस्थित थे।